हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 350 | बेमेतरा, बुधवार 06 अगस्त 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बंद कमरे में मिलीं 2 नाइजीरियाई नागरिकों की लाशें

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां दो नाइजीरियाई नागरिक संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए. यह घटना दिल्ली के द्वारका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले उत्तम नगर के चाणक्य प्लेस इलाके की है. रविवार को दोनों शव एक इमारत की पहली मंजिल पर पाए गए, जो एक कपड़ों के शोरूम के पीछे स्थित है. रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह मकान एक व्यक्ति हेनरी के नाम पर किराए पर लिया गया था. मृतकों की पहचान जोसेफ और चिबिटरन के रूप में हुई है, जो दोनों बुराड़ी इलाके के निवासी थे. प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दोनों एक दिन पहले बुराड़ी से चाणक्य प्लेस पहुंचे थे. पुलिस ने बताया कि रविवार को इस घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने क्षेत्र को घेर लिया और फॉरेंसिक साइंस लैब तथा क्राइम टीम को जांच के लिए बुलाया गया.

संदेशखाली हत्याकांड मामले में शाहजहां की परेशानी बढ़ी

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने आज राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में 2019 में तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच पर उसी अदालत की एकल-न्यायाधीश पीठ के पहले के आदेश को बरकरार रखा। इस मामले में मुख्य आरोपियों में से एक तृणमूल कांग्रेस से निलंबित नेता शेख शाहजहां है। वह जनवरी 2024 में अपने आवास के सामने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के कर्मियों पर हमले के मामले में भी मुख्य आरोपी हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की एकल पीठ ने 30 जून को इस मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया था।

चलती बस में ड्राइवर को पड़ा मिर्गी का दौरा

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब विकास मार्ग पर एक तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने नियंत्रण खोकर कई वाहनों को रौंद दिया। इस दर्दनाक हादसे में सड़क किनारे सवारी का इंतजार कर रहे एक ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह के वक्त हुआ जब 'देवी बस' विकास मार्ग से झील खुरंजा की ओर जा रही थी। अचानक बस के चालक को मिर्गी का दौरा पड़ गया, जिससे वह बस पर से अपना नियंत्रण खो बैठा।

दक्षिण चीन सागर में शांति में भारत की स्थायी रुचि है

भारत और फिलीपीन ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की-मोदी

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं. उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की, जब दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए अपने सशस्त्र बलों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया. प्रधानमंत्री मोदी और फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर के बीच यहां संपन्न द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की. इससे एक दिन पहले दोनों देशों की नौसेनाओं ने फिलीपीन तट पर संयुक्त अभ्यास किया था. मोदी ने मार्कोस की मौजूदगी में कहा, ह्लभारत और फिलीपीन अपनी मर्जी से मित्र और नियति से साझेदार हैं. हिंद महासागर से लेकर प्रशांत महासागर तक, हम साझा मूल्यों के तहत एकजुट हैं. हमारी दोस्ती केवल अतीत की साझेदारी नहीं है, यह भविष्य के लिए एक वादा है.ह्व भारत और फिलीपीन ने नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें रणनीतिक साझेदारी की घोषणा एवं कार्यान्वयन, दोनों देशों की सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच वार्ता के लिए संदर्भ की शर्तें तथा बा' अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहयोग शामिल है. मोदी ने कहा कि फिलीपीन भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति) दृष्टिकोण में एक अहम साझेदार है. उन्होंने कहा, ह्लहम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, समृद्धि और नियम-आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं. हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के

अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं.ह्व मोदी ने कहा, ह्लयह खुशी की बात है कि आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला लिया है. इस साझेदारी की संभावनाओं को नतीजों में बदलने के लिए एक व्यापक कार्य योजना भी तैयार की गई है.ह्व भारत और फिलीपीन दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं. इस अवसर पर मोदी और मार्कोस ने एक डाक टिकट जारी किया. मोदी ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफलड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए फिलीपीन सरकार का आभार जताया. पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान गई थी. मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंध गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक हैं. उन्होंने कहा, ह्लसमुद्र से घिरे देशों के रूप में, भारत और फिलीपीन के बीच समुद्री सहयोग स्वाभाविक और आवश्यक दोनों है. हम मानवीय सहायता, आपदा राहत, खोज एवं बचाव के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं.ह्व प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी के तहत भारत फिलीपीन में त्वरित प्रभाव परियोजनाओं की संख्या बढ़ाएगा और संप्रभु डेटा क्लाउड अवसंरचना के विकास में भी सहयोग करेगा.

भारत और फिलीपींस के बीच हर स्तर पर सहयोग जारी....

पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देशों के बीच हर स्तर पर बातचीत और सहयोग जारी है। आज दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग, क्षेत्रीय मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में भारत-फिलीपींस संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाने का फैसला किया गया है। इस साझेदारी को सफल बनाने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना भी बनाई गई है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 3 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इसे और मजबूत करने के लिए भारत-आसियान फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की समीक्षा जल्द पूरी करने और द्विपक्षीय प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट पर काम करने का निर्णय लिया गया है।

मराठी भाषा के अपमान का लगाया आरोप

निशिकांते दुबे के खिलाफ किया नासिककोर्ट का रुख

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ नासिक सत्र न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। दुबे ने हाल ही में मराठी भाषा और समुदाय का कथित रूप से अपमान किया था। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की नासिक इकाई के अध्यक्ष सुदाम कोंबाडे ने यह याचिका दायर की है। इसमें दुबे से महाराष्ट्र की जनता से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने की मांग की गई है। कोंबाडे ने यह कदम दुबे द्वारा अपनी टिप्पणी के लिए माफ़ी न मांगने के बाद उठाया है, जिसके बाद पूरे महाराष्ट्र में भारी विरोध हुआ था। याचिका में, कोंबाडे ने दुबे पर मराठी भाषी लोगों की भावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोप लगाया और सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त करने की माँग की। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर दुबे नासिक आए तो उन्हें सबक सिखाया जाएगा।

प्रयागराज में मानसून के मौसम में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के बीच एसडीआरएफ के जवान बाढ़ग्रस्त क्षेत्र से लोगों को निकालते हुए।

चिराग पासवान का बड़ा बयान

मुझे नीतीश कुमार और उनके शासन पर भरोसा

नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार के विपक्षी दलों पर राज्य की कानून-व्यवस्था पर उनके पिछले बयानों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में दरार डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया। जुलाई में, चिराग पासवान ने कहा था कि उन्हें बिहार में ऐसी सरकार का समर्थन करने पर दुख हो रहा है, जो कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर इस तरह विफल हो रही है। उनका यह बयान 24 जुलाई को बोधगया में बिहार सैन्य पुलिस की एक अभ्यर्थी के साथ हुए सामूहिक बलात्कार और हाल ही में बिहार में हिंसक अपराधों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर आया है। एएनआई से बात करते हुए, पासवान ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी एक जनप्रतिनिधि और सत्तारूढ़ गठबंधन में एक सहयोगी के रूप में उनकी हैसियत से की गई थी।

अंतिम संस्कार आज दिल्ली में

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन.....

नयी दिल्ली/ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया. वह 79 वर्ष के थे. मलिक के निजी स्टाफ ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उनका अंतिम संस्कार बुधवार अपराह्न चार बजे लोदी रोड स्थित श्मशान घाट में होगा. अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का अपराह्न एक बजकर 12 मिनट पर यहां राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में निधन हो गया. उनके स्टाफने बताया कि वह लंबे समय से अस्पताल की गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था. आरएमएल अधिकारियों ने एक बयान में कहा गहरे दुख के साथ, हम सत्यपाल मलिक के निधन की पुष्टि करते हैं. उनका हमारे अस्पताल की गहन देखभाल इकाई में इलाज किया जा रहा था. उन्होंने बताया कि मलिक मधुमेह, गुर्दे की बीमारी, उच्च रक्तचाप और मोटापा एवं नींद में रुकावट जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से लंबे समय से जूझ रहे थे. जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था.

पंजाब में फर्जी एनकाउंटर केस में 32 साल बाद सजा

चंडीगढ। पंजाब के तरनतारन में वर्ष 1993 के फर्जी मुठभेड़ मामले में दोषी पंजाब पुलिस के पूर्व एसएसपी और डीएसपी सहित पांच पुलिस अधिकारियों को एनएआई की स्पेशल अदालत ने सजा सुनाई। कोर्ट ने रिटायर्ड एसएसपी भूपेंद्रजीत सिंह, रिटायर्ड डीएसपी दविंदर सिंह समेत 5 पुलिस अफसरों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इन सभी पर 7 लोगों की हत्या और आपराधिक साजिश यानी की धारा 302 और 120-क्र के तहत मुकदमा चला। पहले इस केस में 10 पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को आरोपी बनाया गया था। लेकिन ट्रायल के दौरान 5 की मौत हो गई। पीड़ित परिवारों के वकील सरबजीत सिंह वेरका।

सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी पर रार

खरगे बोले-क्या हम आतंकवादी हैं? मुझसे ट्यूशन ले लीजिए-नड्डा

नई दिल्ली/ एजेंसी

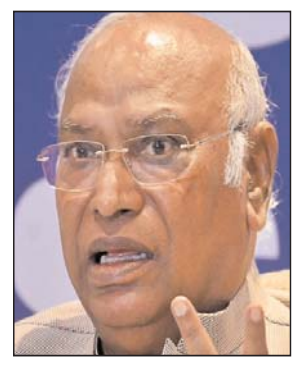

सदन में सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी के मुद्दे पर आज राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। दरअसल सभापति ने इस बात पर आपत्ति जताई कि जब खरगे ने उन्हें सीआईएसएफ कर्मियों की तैनाती को लेकर पत्र लिखा था तो उसे मीडिया में क्यों जारी किया गया। सभापति ने इसे सदन के नियमों का उल्लंघन करार दिया। इस पर खरगे ने कहा कि वह सभी को पत्र के बारे में जानकारी नहीं दे सकते थे तो उन्होंने इसे लेकर मीडिया में बयान जारी किया। चर्चा के दौरान जेपी नड्डा ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाए और नसीहत देते हुए कहा कि विपक्ष को उनसे ट्यूशन लेने की जरूरत है। दरअसल राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने खरगे के पत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पत्र को मीडिया में जारी करके संसद के जनता को जानकारी देने के अधिकार का उल्लंघन हुआ है। इसके बाद उपसभापति ने कई घटनाओं का जिक्र किया, जब सत्ता पक्ष के लोग सदन में बोल रहे थे और विपक्षी सांसदों ने उनकी सीटों के पास आकर उनके संबोधन बाधित करने का प्रयास किया। सभापति ने कहा कि 'क्या यह लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन नहीं है? उन्होंने कहा कि सदस्यों द्वारा वेल में प्रदर्शन गलत है और यह सदन की परंपरा के खिलाफहै। क्योंकि वेल की एक पवित्रता होती है।' सभापति के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जब सदन के नेता महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होते हैं ।

धराली में खीर गंगा के सैलाब में कई घर नदी में बहे....अब तक 4 की मौत

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में बादल फटने से खीरगंगा में भयंकर बाढ़ आ गई। डीएम प्रशांत आर्य ने बताया की धराली आपदा में अब तक चार लोगों की मौत हुई है। जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। पानी का सैलाब गांव की तरफआते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है। धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है। कई होटल दुकाने ध्वस्त हो चुकी है। आर्मी हर्षिल /पुलिस /एसडीआरएफ टीम भटवाड़ी के लिए रवाना हुई हैं।उत्तराखंड में भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है। आज मंगलवार सुबह ही उत्तरकाशी बडकोट तहसील क्षेत्र के बनाल पट्टी में भारी अतिवृष्टि होने से चपेट में आई करीब डेढ़ दर्जन बकरियां कुड गदेरे में बह गई। कुड गदेरा उफान पर आने से अफरातफरी मच गई। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक रोहित थपलियाल ने

बताया, प्रदेश भर में 10 अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना है। खासकर पर्वतीय इलाकों में तेज दौर की बारिश के आसार हैं। वहीं, बारिश की वजह से सुरक्षा को देखते हुए देहरादून, पौड़ी, टिहरी और हरिद्वार में मंगलवार को भी स्कूल बंद रहेंगे। धराली उत्तरकाशी क्षेत्र में बादल फटने से हुए भारी नुकसान का सीएम धामी ने गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित टीमें युद्ध स्तर पर जुटी हुई हैं।

समय-सीमा बैठक के बाद कलेक्टर ने सुनी जनदर्शन में लोगों की समस्याएं, जनदर्शन में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 29 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा की उपस्थिति में बीते मंगलवार को समय सीमा की बैठक के बाद कलेक्टरेट के दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन आयोजित की गई। जिसमें जिले के अलग-अलग क्षेत्र के लोग अपनी-अपनी मांग, समस्याएं एवं शिकायतें लेकर आये। इस दौरान जनदर्शन में आने वाले सभी लोगों की समस्याओं का निराकरण भी किया गया। मंगलवार के जन चौपाल में कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को गौर से सुना और संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर और समक्ष बुलाकर संबंधित आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कुछ आवेदन मौके पर ही निराकरण किए गए। जनदर्शन में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 29 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व की समस्याओं का जहां त्वरित निराकरण किया। वहीं गंभीर और जांच के आवेदनों को टीएल पंजी पर दर्ज करके, इनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अफसरों को दी। इस दौरान जनदर्शन में दूरदराज के गांवों से अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचे लोगों में से वार्ड नं. 15 व 17 के समस्त मोहल्ला वासी ने वार्ड नं. 17 गौरव पथ-नवीन बाजार से सिंघौरी मार्ग की नाली सफाई कराने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील नवागढ़ वार्ड नं. 13 लालबंद पारा निवासी खेलनदास कुर्रे ने अपनी पत्नी के मृत्यु उपरांत उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र हेतु संबंध में आवेदन दिया, तहसील बेमेतरा के ग्राम अमोरा निवासी रानीबाई ने आमगली को अतिक्रमण करने से बेदखल करने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील बेमेतरा के ग्राम चोरभट्ठी के समस्त ग्रामवासी ने गांव के कोटवार को हटाकर दूसरा कोटवार नियुक्ति किये जाने के संबंध मे आवेदन दिया, तहसील बेरला ग्राम मनियारी निवासी रविन्द्र भास्कर चौबे ने रोजगार सहायक एवं पंचायत द्वारा कार्यवाही में नही लिये जाने की शिकायत के संबंध में आवेदन दिया। इसके अलावा आम नागरिकों ने निराश्रित पेंशन दिलाने, बैटरी चलित ट्रायसायकल हेतु, प्रधानमंत्री आवास दिलाने, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा को हटाये जाने, आम रास्ता खुलवाने, वृद्धा पेंशन हेतु दिव्यांगता पेंशन दिलाये जाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए है। कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके निराकरण के लिए ग्रामीणों को आश्वासन दिलाया। इस अवसर पर सी.ई.ओ जिला पंचायत प्रेमलता मंडावी, एडीएम अनिल वाजपेयी सहित विभिन्न विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

त्योहारी सीजन में मिलावटखोरी पर सख्ती

बेमेतरा में 'बने खाबों बने रहिबों' अभियान के तहत खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, 06 नमूने अवमानक पाए गए

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रक्षाबंधन एवं आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में मिलावटखोरी और खराब खाद्य सामग्री पर कड़ी निगरानी शुरू कर दी गई है।राज्य शासन नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ तथा जिला कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेरला के मार्गदर्शन में जिले में ÷बने खाबों बने रहिबों÷ अभियान का शुभारंभ 4 अगस्त 2025 से किया गया है। इस अभियान के तहत चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से बेरला विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस विशेष जांच अभियान के दौरान मिठाई दुकान, रेस्टोरेंट, ढाबा, होटल, गुपचुप सेंटर आदि प्रतिष्ठानों से कुल 68 खाद्य नमूने संकलित किए गए। प्रारंभिक परीक्षण में से 6 खाद्य नमूने अवमानक पाए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

जिन प्रतिष्ठानों से अवमानक नमूने मिले
बीकानेर स्वीट्स - कलाकंद, काजू कतली
वासु होटल एण्ड रेस्टोरेंट -कुंदा, मिल्क केक
श्री कैफे एण्ड रेस्टोरेंट - दोसा मसाला
न्यू देवांगन भोजनालय - कुवड राइस

इन प्रतिष्ठानों से लिए गए नमूनों को आगे परीक्षण के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा को लेकर दिए गए दिशा-निर्देश-निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों को निम्नलिखित निर्देश दिए गए जिसमे अखबारी कागज का उपयोग न करें, बासी या खराब खाद्य पदार्थ न परोसें, वेज और नॉनवेज वस्तुओं को अलग-अलग कंटेनरों में रखें, मिठाइयों में केवल स्वस्थ से अनुमोदित खाद्य रंग का उपयोग करें, खाद्य निर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल की गुणवत्ता, भंडारण, हैंडलिंग और बिक्री तक स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, कार्यस्थल की सफाई और खाद्य कर्मियों की व्यक्तिगत स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए . खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि आने वाले दिनों में यह अभियान जिले के अन्य ब्लॉकों में भी जारी रहेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जिलेवासियों को त्योहारी सीजन में शुद्ध, गुणवत्तायुक्त और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे किसी भी तरह की खाद्य सामग्री में मिलावट या गुणवत्ता की शिकायत पाए जाने पर तुरंत खाद्य विभाग को सूचित करें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने किया कोबीया स्थित निर्माणाधीन अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार कार्यालय का निरीक्षण, गुणवत्ता पर विशेष जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बीते मंगलवार को जिला मुख्यालय अंतर्गत कोबीया क्षेत्र में निर्माणाधीन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदार कार्यालय भवन का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन निर्माण की प्रगति, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता तथा कार्य की समयसीमा की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर शर्मा ने निर्माण एजेंसी और ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि यह कार्यालय आम जनता से सीधे जुड़ा हुआ है, इसलिए इसकी संरचना, सुविधा और टिकाऊपन सर्वोत्तम स्तर की होनी चाहिए। निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो, यह सुनिश्चित किया जाए ताकि क्षेत्रीय जनता को शीघ्र ही बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) प्रकाश भारद्वाज, संबंधित विभागों के इंजीनियर, राजस्व विभाग के कर्मचारी एवं अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे। कलेक्टर शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जाए और गुणवत्ता मानकों का सतत परीक्षण किया जाए।

स्व. कर्मा की जयंती पर बस्तर टाईगर अमर रहे के लगे नारे

शहीद महेंद्र कर्मा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, उनके बताए हुए रास्तों पर चलने का लिया संकल्प

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

बस्तर टाईगर शहीद महेन्द्र कर्मा की बीते मंगलवार को 76 वीं जयंती मनाई गई। इस मौके पर उनके गृहग्राम फरसपाल में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक देवती महेन्द्र कर्मा द्वारा स्व. महेन्द्र कर्मा की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्व. कर्मा के सुपुत्र वरिष्ठ नेता छविन्द्र कर्मा, सुपुत्री जिला पंचायत सदस्य तुलिका कर्मा, सुलोचना कर्मा ने भी उनकी शहादत को नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं गायत्री मंदिर स्थित शहीद महेन्द्र कर्मा प्रतिमा पर कांग्रेसियों ने माल्यार्पण कर स्व. कर्मा के दिखाए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर पूर्व विधायक देवती कर्मा ने कहा कि बस्तर में शांति-बहाली के लिए स्व. कर्मा ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। जल, जंगल, जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए वे सदैव लड़ते रहे। शहीद महेन्द्र कर्मा का जीवन हम सभी को अपने अधिकारों की रक्षा में प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा देता है। छविन्द्र कर्मा ने कहा कि पिताजी का स्नेह, त्याग और मार्गदर्शन हमारे लिए जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। भले ही आज वह हमारे बीच नहीं है परंतु उनके दिए हुए संस्कार और आदर्श आज भी हमें सही राह दिखाते हैं। तुलिका कर्मा स्व. महेन्द्र कर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका आर्शीवाद हमें जीवन में आगे बढने की शक्ति देता है साथ ही उनके सिखाएं हुए मार्ग पर ही चलना उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बस्तर में शांति बहाली के लिए कार्य किया। जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा ने कहा कि शहीद महेन्द्र कर्मा ने जो सपना देखा था उन्हें पूरा करना अब हमारी जिम्मेदारी है। आपसी भाईचारे व खुशहाल बस्तर का सपना लेकर वह चले थे, जिसे अब हमें पूरा करना है। इस दौरान प्रवीण राणा, विमल सलाम, सुमित्रा सोरी, इंदिरा शर्मा, इंद्रा ठाकुर, रिंकी वेंजाम, एन नागराज, गणेश दुर्गा, रितेश जैन, रानू राव, संजय विश्वकर्मा, त्रिशांक ठाकुर, जीतू कश्यप समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद थे।

नवोदय विद्यालय बेमेतरा में 11वीं विज्ञान संकाय में प्रवेश के लिए सुनहरा अवसर

इच्छुक अभ्यर्थी 19 रिक्त सीटों पर 10 अगस्त तक कर आवेदन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय बेमेतरा में कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय में पढ़ाई का सपना देख रहे मेधावी छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर उपलब्ध है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विद्यालय में विज्ञान संकाय की कुल 19 सीटें रिक्त हैं, जिन पर नवोदय विद्यालय समिति के निर्देशानुसार योग्य एवं इच्छुक छात्र-छात्राएं प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। विद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन एवं ऑफ्लाइन दोनों माध्यमों से स्वीकार की जा रही है, ताकि अधिक से अधिक पात्र छात्र इस अवसर का लाभ उठा सकें। प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। प्रधानाचार्य की ओर से जिले के सभी अभिभावकों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं समाजसेवियों से अपील की गई है कि यदि कोई छात्र इस अवसर के योग्य है, तो वह आवेदन अवश्य करे। प्रवेश से जुड़ी प्रमुख जानकारियाँ इस प्रकार हैं जिसके अंतर्गत कक्षा 11वीं मे संकाय विज्ञान के 19 सीटें रिक्त हैं 7 आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2025 हैं 7 ईमेल jnvbemetara@gmail.com हैं 7. विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित समयसीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें, ताकि प्रवेश संबंधित कार्यों में कोई विलंब न हो। अभ्यर्थी अधिक जानकारी एवं पंजीकरण हेतु नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक कर आवेदन कर सकते हैं: तिथि 10 अगस्त 2025 निर्धारित की

वृक्षारोपण कार्यक्रम के जरिए कंवलनार में हरियाली का संदेश

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

ग्राम कंवलनार में HDFC बैंक परिवर्तन एवं वॉटरशेड ऑर्गनाइजेशन ट्रस्ट के संयुक्त प्रयास से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों एवं स्कूली बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना, बच्चों में प्रकृति के प्रति समझ विकसित करना तथा सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में ग्राम विकास समिति की अध्यक्ष श्रीमती बुधरी नाग, सचिव दिनेश नाग, उपसरपंच श्रीमती लक्ष्मी नाग, तथा उद्यानिकी विभाग के विस्तार अधिकारी कुलेश्वर नेताम विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण जन, विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस आयोजन को सफल बनाने में उद्यानिकी विभाग का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम का संचालन आलोक कुमार द्वारा किया गया। वहीं WOTR संस्था की ओर से विशाल पाटले, राहुल कुमार एवं बंडू डामले की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस प्रकार का आयोजन न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है, बल्कि भावी पीढ़ियों में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

कालाबाजारी पर कृषि विभाग ने कसा नकेल कोरर निजी कृषि केंद्र पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

- किसानों को निर्धारित दर 266 रुपए में दिलाई यूरिया खाद

कांकेर/मूक पत्रिका

कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार तथा उप संचालक कृषि जितेंद्र कोमरा के मार्गदर्शन में खरीफ सीजन में किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने जिला स्तर पर टीम गठित की गई है। इसी क्रम में सोमवार को भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के कोरर के निजी कृषि दुकानों में छापेमारी की बड़ी कार्यवाही कर कालाबाजारी पर नकेल कसा गया। सहायक संचालक कृषि सुधीर ददोरिया और गुंजन सिंग भदौरिया के नेतृत्व में खाद बीज निरीक्षक अमिनेश गावड़े, कृषि अधिकारी किरण भंडारी, प्रवीण कवाची, आशीष साहू ने कोरर में संचालित निजी कृषि केंद्रों में दबिश दी। इस दौरान दुकानों में लगे पीओएस मशीनों और स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें जांच में गड़बड़ियां पाई गईं। किसानों ने की थी शिकायत वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी भानुप्रतापपुर ने बताया कि किसानों को कोरर क्षेत्र के निजी कृषि केंद्र पर दो से तीन गुना अधिक कीमत पर रासायनिक खाद बिक्री करने की शिकायत दूरभाष के माध्यम से की गई थी। इस पर कृषि विभाग की टीम ने कार्यवाही करते हुए कोरर बाजार दिवस के दिन निजी कृषि सेवा केंद्र विजय ट्रेंड्स खाद गोदाम का निरीक्षण किया। गोदाम में मौजूदा स्टॉक में दो सौ बोरी यूरिया खाद उपलब्ध पाया गया। किसानों ने शिकायत थी कि एक बोरी यूरिया पांच से छै सौ रुपए में बेचा जा रहा है, जिस पर कृषि विभाग द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए खाद खरीदने आए किसानों को शासन द्वारा निर्धारत दर में यूरिया 266 रुपए पचास पैसा, डीएपी 1350 रुपए, पोटाश 1535 रुपए और एसएसपी राखड़ खाद 495 रुपए की दर से किसानों को उपलब्ध कराई गई। खाद खरीदने आए 27 किसानों को 79 बोरी यूरिया खाद शासकीय दर 266 रुपए पचास पैसा के दर से दिलवाई गई। कृषि विभाग द्वारा कार्यवाही कर निजी कृषि दुकान संचालकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि किसानों के साथ लूट और काला बाजारी, जमाखोरी बर्दास्त नहीं की जाएगी। किसानों को समझाईश दिया गया कि निजी कृषि दुकान संचालकों द्वारा अधिक दर पर रासायनिक खाद बेचे जाने पर कृषि विभाग के अधिकारियों को तत्काल सूचना दिया, ताकि अविलंब कार्यवाही की जा सके।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत तीन नए निक्षय मित्र बने, मरीजों को पोषण आहार वितरित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य विभाग बेमेतरा द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर चोरभट्ठी में मंगलवार को तीन नए निक्षय मित्र बनाए गए। ये निक्षय मित्र हैं श्रीमती रेखा पात्रे, सरपंच ग्राम पंचायत चोरभट्ठी, रवि साहू सामाजिक कार्यकर्ता ग्राम मटका, और श्रीमती किरण सोनी, सैक्टर सुपरवाइजर पीएचसी जेवरा। तीनों नव नियुक्त निक्षय मित्रों ने तीन क्षय रोगियों को पोषण आहार प्रदान कर उनके इलाज में सहयोग प्रदान किया तथा टीबी के खिलाफ चल रहे अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से भी आग्रह किया गया कि वे आगे आकर निक्षय मित्र बनें और टीबी उन्मूलन में सहयोग दें। कार्यक्रम सीएमएचओ डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन और जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ. बी.एल. राज के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पीएमडीटी कोऑर्डिनेटर दिनेश जायसवाल एवं वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक गिरधर देवांगन की भूमिका रही। साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री अंजू मिरचंडे, स्वास्थ्य संयोजक श्रीमती नीलिमा पांडे, सुनील कुमार पात्रे, संध्या साहू, मितानीन सीता साहू एवं सविता साहू सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणजनों को टीबी के लक्षण, बचाव के उपाय, इलाज की प्रक्रिया और निक्षय मित्र योजना के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें प्रेरित किया गया कि वे भी आगे आकर निक्षय मित्र बनें और टीबी मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं।

15 अगस्त, रजत जयंती और योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर सख्त दिए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी जोरों पर, अधिकारियों की जिम्मेदारियां तय – कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वतंत्रता दिवस 2025 को गरिमामयी, प्रेरणादायक और सुव्यवस्थित ढंग से मनाने के उद्देश्य से कलेक्टर रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में बीते मंगलवार को कलेक्टोरेट के दिशा सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 15 अगस्त की सभी तैयारियों, रजत जयंती वर्ष आयोजन, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और प्रशासनिक दायित्वों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वतंत्रता दिवस के पूर्व एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम को प्रभावशाली और जनभागीदारी से भरपूर बनाया जाए, ताकि नागरिकों विशेषकर युवाओं में देशभक्ति की भावना प्रबल हो। 13 अगस्त को अंतिम रिहर्सल एवं 14 अगस्त को सांस्कृतिक और देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 14 और 15 अगस्त की रात सभी शासकीय कार्यालयों में प्रकाश की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

हर घर तिरंगा और रजत जयंती वर्ष कार्यक्रमों के तैयारियों की गहन समीक्षा- छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 15 अगस्त 2025 से 6 फरवरी 2026 तक प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। यह आयोजन दो चरणों में होगा ङ्क पहला चरण 15 अगस्त से 31 अक्टूबर तक और दूसरा 1 नवम्बर से 6 फरवरी 2026 तक। सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे साप्ताहिक कार्यक्रमों की कार्ययोजना तैयार करें और उनमें जनसहभागिता व लोकहित की गतिविधियों को प्रमुखता दें। साथ ही हर घर तिरंगा अभियान को उत्साहपूर्वक, व्यापक स्तर पर और सामाजिक समरसता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। स्कूलों, पंचायतों, नगरीय निकायों, और सरकारी संस्थानों में झंडावंदन के साथ रैलियों और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया।

सुशासन तिहार के आवेदनो, योजनाओं और पंजीयन की प्रगति पर विशेष ध्यान- बैठक में सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत पात्र कृषकों को समय पर लाभ पहुंचाने और कृषक पंजीयन में आ रही समस्याओं के समाधान हेतु कृषि विभाग को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए। पीएम मातृत्व वंदना योजना और वय वंदन योजना की भी विस्तार से समीक्षा करते हुए हितग्राहियों को समयबद्ध लाभ वितरण के निर्देश दिए गए।

वृक्षारोपण और स्वच्छता पर विशेष जोर- कलेक्टर शर्मा ने जिले के समस्त शासकीय कार्यालयों में 9 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक वृक्षारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यालय, विद्यालय, पंचायत भवन एवं सार्वजनिक स्थल में अधिकाधिक पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जाए। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, और सार्वजनिक स्थलों की सफाई व्यवस्था की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने नियमित निरीक्षण और त्वरित कार्रवाई को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि मिशन के लक्ष्यों को समयसीमा में पूरा किया जा सके।

दैनिक कार्यालय अनुशासन और निरीक्षण में सख्ती-कलेक्टर ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से समय पर कार्यालय में उपस्थित रहें। साथ ही, विद्यालयों, छात्रावासों, स्वास्थ्य केंद्रों, उचित मूल्य दुकानों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। अनुपस्थित या लापरवाह पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

घूमंतु पशुओं पर नियंत्रण के निर्देश - दुर्घटनाओं से बचाव को प्राथमिकता-सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं की वजह से आए दिन हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए कलेक्टर ने नगरीय निकाय एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों को पशु-मुक्त किया जाए। सभी आवारा पशुओं को निर्धारित स्थलों पर ले जाकर उनकी निगरानी की समुचित व्यवस्था की जाए।

ई-ऑफिस और भवन मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश-ई-ऑफिस प्रणाली की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी अधूरे लॉगिन आईडी एवं तकनीकी मुद्दों को तत्काल सुलझाने को कहा। साथ ही, पुराने एवं जर्जर शासकीय भवनों की मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर शर्मा ने बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, लोक सेवा गारंटी, राजस्व प्रकरणों, पीएम आवास, नक्शा-बटांकन, त्रुटि सुधार, नगरीय निकाय, ग्राम पंचायतों के प्रकरण की भी गहन समीक्षा की । संबंधित विभागों को लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए गए। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना की धीमी प्रगति पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी लंबित और अधूरे आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवास पूर्ण नहीं होने या शिकायतों के समाधान में देरी होने पर संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रेमलता मंडावी, एडीएम अनिल वाजपेयी, अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, सभी एसडीएम, जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने समापन में कहा कि जनहित, अनुशासन और सुशासन ही जिले की प्राथमिकता है, जिसे हर अधिकारी-कर्मचारी को पूरी निष्ठा से निभाना होगा।

बने खाबों-बने रहिबों विशेष जांच अभियान, जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों में 65 खाद्य नमूनों की हुई जांच, 20 प्रतिष्ठानों पर जुर्माना

खाद्य सुरक्षा को लेकर तीन दिवसीय सघन निरीक्षण, अस्वच्छ खाद्य सामग्री नष्ट

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

कार्यालय खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार वर्षा ऋतु और आगामी रक्षाबंधन त्योहार को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार प्रदेशभर में खाद्य सुरक्षा को लेकर ÷बने खाबों-बने रहिबों÷ राज्य स्तरीय विशेष जांच एवं जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में दंतेवाड़ा जिले में 04 से 06 अगस्त तक खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया, जिसमें जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों की गहन जांच की गई।अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के अंतर्गत स्ट्रीट फूड विक्रेताओं, होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई दुकानों और किराना दुकानों का निरीक्षण किया गया। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से कुल 65 खाद्य नमूनों को जांच हेतु संग्रहित किया गया। जांच के दौरान पुराना बस स्टैंड,

नया बस स्टैंड चौपाटी, अंबेडकर पार्क स्थित चौपाटी सहित फास्ट फूड ठेलों से मोमोज, गुपचुप, आलू मसाला, खट्टा-मीठा पानी, फूड कलर, चाउमीन, चिल्ली सॉस, टोमैटो सॉस और खाद्य तेल के नमूने लिए गए।वहीं, होटल और रेस्टोरेंट से बिरयानी चावल, ग्रेवी, पकी दाल, पनीर सहित अन्य व्यंजनों के , मिठाई दुकानों से रसगुल्ला, बर्फी, पेड़ा, खोया, काजू कतली, मेसूर पाक, बेसन लड्डू, नमकीन मिक्सचर, किराना दुकानों से बेसन, सूजी, आटा, मैदा, नमकीन और शक्कर के नमूने जांच के लिए लिए गए।

निरीक्षण के दौरान कई प्रतिष्ठानों में सफाई व्यवस्था मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई। इस पर 20 खाद्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 4100 रुपये का चालान किया गया। इसके अलावा पांच व्यापारियों को नोटिस जारी करते हुए अमानक और दूषित खाद्य सामग्री को तत्काल नष्ट कराया गया। विभाग द्वारा चेतावनी दी गई कि भविष्य में यदि ऐसी लापरवाही दोबारा पाई जाती है, तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें उनका खाद्य लाइसेंस निलंबित करना भी शामिल है। इस अभियान के माध्यम से खाद्य कारोबारियों को एफएसएसआई के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई और उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता, किचन की सफाई, खाद्य हैंडलिंग तथा लेबलिंग एवं पैकेजिंग से संबंधित मानकों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही आम नागरिकों को भी स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ खानपान की आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने कलेक्टर का निर्देश - राजमिस्त्री का नि:शुल्क प्रशिक्षण होगा नियमित

बीजापुर /मूक पत्रिका

कलेक्टर संबित मिश्रा ने बीते सोमवार को जिला कार्यालय में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में कहा कि जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों विशेषकर नियद नेल्लनार के 117 गांवों में चल रहे विकास कार्यों में स्थानीय युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कौशल विकास विभाग को निर्देशित किया कि ऐसे गांवों में जहां प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 100 से अधिक आवास स्वीकृत हुए हैं, वहां के युवाओं को प्राथमिकता देते हुए राजमिस्त्री का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किया जाए, जिससे उन्हें निर्माण कार्यों में रोजगार के अवसर मिल सकें। बैठक में जल-जीवन मिशन के तहत हर घर नल कनेक्शन, मोबाइल कनेक्टिविटी, साप्ताहिक हाट-बाजार, स्कूल, आंगनबाड़ी और राशन दुकानों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने इन गांवों में संपूर्ण सैचुरेशन सुनिश्चित करने के लिए विशेष शिविर लगाकर अधिक से अधिक ग्रामीणों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में उन्होंने कहा कि दूरस्थ गांवों में एंबुलेंस की पहुंच सुनिश्चित कराया जाए। शिक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि शाला त्यागी और अप्रवेशी बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय का सहयोग लिया जाए, जिससे शत-प्रतिशत बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जा सके। कलेक्टर ने आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर पात्र हितग्राहियों को वनाधिकार पत्रों के वितरण हेतु तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में आरबीसी 6-4 के लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजी पोर्टल एवं कलेक्टर जनदर्शन के आवेदन निपटारे के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके साथ ही 2 अगस्त से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में करने तथा विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में नवपदस्थ जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, अपर कलेक्टर भूपेंद्र अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल सहित समस्त अनुभाग के एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर और अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दंतेवाड़ा में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत किया गया वृक्षारोपण

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

बीते मंगलवार को शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दंतेवाड़ा में ''एक पेड़ मां के नाम'' महाविद्यालय में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जन भागीदारी अध्यक्ष राहुल असरानी, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के एम.प्रसाद, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश लहरी, दुष्यंत तारम, प्राध्यापक डॉ शिखा सरकार डॉ रत्ना बाला मोहंती तथा सहायक प्राध्यापक डॉ. अंजली कश्यप, सुश्री धारणा ठाकुर, श्रीमती रेशमा एक्का, बंशीधर चौहान, श्रीमती सरला पैकरा, सिद्धार्थ देवांगन, अमित साहू, सुश्री अंजलि मिंज, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. भारती रजक, सहित समस्त अतिथि व्याख्याता कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने वृक्षारोपण किया। इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कहा कि ''एक पेड़ मां के नाम'' पूरे भारतवर्ष में इस कार्यक्रम को किया जा रहा है। इनका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाना है। अतः हर जागरूक व्यक्ति पौधरोपण का संकल्प लेकर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाये।

आदिवासी विभाग के तहत चल रहे निर्माण एवं स्वीकृत कार्यों का हुआ मूल्यांकन

स्वीकृत कार्यों हेतु अग्रिम राशि जारी करने तथा पूर्ण कार्यों का उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

आदिम जाति विकास विभाग अन्तर्गत चल रहे स्वीकृत एवं निर्माण कार्यो के संबंध में बीते मंगलवार को कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में कलेक्टर कुणाल दुदावत के द्वारा विभागीय बैठक ली गई। बैठक में विभागीय मद अन्तर्गत नाबार्ड पोषित भवन निर्माण कार्य, यथा कन्या/बालक छात्रावास, अतिरिक्त कक्ष निर्माण,बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण अन्तर्गत आरसीसी स्लेब पुलिया निर्माण, छात्रावासों में वाटर कूलर प्रदाय, सीसी नाली निर्माण कार्य, मिट्टी मुरूम सड़क निर्माण कार्य, छात्रावासों के मरम्मत रखरखाव, के अलावा डीएमएफ निधि से स्वीकृत कार्यों के संबंध में कलेक्टर द्वारा विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने स्वीकृत कार्यों हेतु अग्रिम राशि जारी करने तथा पूर्ण कार्यों का उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही सभी निर्माणाधीन कार्यों को समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक आयुक्त राजीव नाग एवं सभी जनपद पंचायत के सीईओ और विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

जनदर्शन में प्राप्त आवेदन का तत्काल हुआ समाधान, कलेक्टर के निर्देश पर खराब सड़क की हुई तत्काल मरम्मत

मुंगेली /मूक पत्रिका

- कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में ग्रामीणों द्वारा फास्टरपुर-कुण्डा मार्ग की खराब स्थिति से अवगत कराते हुए उसकी मरम्मत कराने की मांग की गई थी। कलेक्टर ने तत्काल सड़क मरम्मत के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए, जिसके परिपालन में लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता ने फास्टरपुर-कुण्डा मार्ग में मौके का निरीक्षण किया और आवश्यक मटेरियल की व्यवस्था की और पंडित चौक एवं पेट्रोल पंप के पास गड्ढों को भरने का कार्य प्रारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि मरम्मत कार्य की लगभग पूर्ण कर लिया गया और जल्द ही लोगों को निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलेगी।

फरसपाल मे बाल मित्र सेक्टर बैठक में शामिल हुए जनपद सदस्य पवन कर्मा

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

भुनेश्वर ठाकुर - जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत बीते मंगलवार को ग्राम पंचायत फरसपाल मे बाल मित्र सेक्टर बैठक में शामिल होने पहुंचे जनपद सदस्य पवन कर्मा ।

बाल मित्र में जो भी गतिविधियां होती है। बच्चों को सिखाना बच्चों को सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से सीखना बच्चे बाल मित्र दूर पड़ने पर नहीं आने की स्थिति में स्कूल मन में बुक ले जाकर सीखना ऐसे कई विषयों पर चर्चा किया गया और बाल मित्र का भवन हमेशा खुला रखे ऐसा एवं उत्सावर्धन करना चाहिए। माह के बीच-बीच में सांस्कृतिक, क्रीड़ा कार्यक्रम कराना जिसे देखकर बच्चे आकर्षित होकर बाल मित्र में सीखने के लिए आते रहे ऐसे विषयों पर चर्चा किया गया है । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य एवं शिक्षा समिति सदस्य पवन कुमार कर्मा एवं फरसपाल, मुडेर, बोदली, फुडरी, बागपाल, आलनार, कुडेनार, सेक्टर के कोऑर्डिनेटर लोग उपस्थित रहे।

बैंकिंग सुविधा की पहुंच बढ़ेगी गांवों में, एक्सिस बैंक के द्वारा 5 पंचायतों में बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट किया गया नियुक्त

- कलेक्टर ने नये नियुक्त बैंकिंग संवाददाताओं को मोबाइल सौंपा, कहा बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट का दायित्व एक नौकरी के साथ-साथ सामाजिक सेवा भी है अतः उत्कृष्ट कर्तव्य निर्वहन कर पंचायतों को डिजिटल बनाने में सहयोग दें

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं को सुलभ और सहज बनाने के उद्देश्य से ÷ग्राम पंचायत अटल डिजिटल कनेक्ट÷ योजना के तहत दंतेवाड़ा जिले में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इसी क्रम में बीते कलेक्टर कुणाल दुदावत ने पांच ग्राम पंचायतों बड़े बचेली, बालूद, जावंगा, बारसूर, कारली के नये नियुक्त बैंकिंग संवाददाताओं (बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट) को मोबाइल डिवाइस प्रदान किए। नये नियुक्त हुए बैंकिंग संवाददाता दूरस्थ ग्राम पंचायतों में बैंकिंग प्रणाली डिजिटलीकरण अन्तर्गत बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगे। इस अवसर पर कलेक्टर दुदावत ने नियुक्त बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट से मुखातिब होते हुए कहा कि अब गांवों के लोग घर बैठे ही महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पेंशन, श्रमिक जैसी विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने सभी बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट से आग्रह किया कि वे न केवल राशि का वितरण करें, बल्कि खातों की जानकारी, लेन-देन और अन्य बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को उपलब्ध कराये। उन्होंने यह भी कहा कि जो बैंकिंग संवाददाता गांव में सबसे अधिक लेन-देन करेगा और ग्रामीणों को अधिक से अधिक सेवाएं देगा, उसे प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा। उनका यह नया दायित्व न केवल एक नौकरी है, बल्कि एक सामाजिक सेवा भी कहलायेगा। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे इस पहल को पूरी तरह सहयोग दें और अपने क्षेत्र को डिजिटल रूप से सशक्त बनाएं। उन्होंने कहा, ÷हमारा उद्देश्य ग्राम पंचायतों को डिजिटल पंचायत बनाना है। जहां हर ग्रामीण को उत्कृष्ट बैंकिंग सुविधा मिले। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत के सीईओ जयंत नाहटा और एक्सिस बैंक के शाखा प्रबंधक अर्पित गुप्ता भी उपस्थित थे।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व संचालन पर विशेष बल, खंड शिक्षा अधिकारी ने बचेली संकुल के विद्यालयों का किया निरीक्षण

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार शिक्षा की गुणवत्ता और स्कूल संचालन व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से बीते मंगलवार को खंड शिक्षा अधिकारी हरीश सिन्हा द्वारा संकुल केंद्र बचेली-01 एवं बचेली-02 के अंतर्गत संचालित प्राथमिक शाला बड़ेपारा बचेली, प्राथमिक शाला पटेलपारा बचेली, पोटाकेबिन प्राथमिक शाला पीएम सरस्वती एवं आदर्श माध्यमिक शाला कन्या आश्रम पीना बचेली का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सिन्हा ने विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यार्थियों की सहभागिता, मध्यान्ह भोजन योजना, टीएलएम (शैक्षणिक सामग्री) के उपयोग, स्वच्छता व्यवस्था तथा विद्यालय परिसरों की भौतिक स्थिति का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। शिक्षण कार्य में सक्रियता और छात्रों की कक्षा में भागीदारी की सराहना करते हुए उन्होंने शिक्षकों को निर्देशित किया कि वे बच्चों की बुनियादी दक्षताओं पर विशेष ध्यान दें और मूल्यांकन कार्य नियमित रूप से संपन्न करें। निरीक्षण के उपरांत खंड शिक्षा अधिकारी ने अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के सदस्यों से संवाद करते हुए विद्यालय विकास में विभाग द्वारा हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर आर. संजय द्वारा संकुल स्तर की शैक्षणिक योजनाओं की समीक्षा की गई एवं आवश्यक सुधारात्मक सुझाव दिए गए। उन्होंने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे नवाचारों के माध्यम से बच्चों को रुचिकर एवं प्रभावी शिक्षा प्रदान करें।

चोरी हुए बोलेरो कैम्पर वाहन क्रमांक CG-18 K 7386 कीमती 3,20,000/-रू. को 07 दिन के अंदर बिहार राज्य से किया गया बरामद

जिला सारण बिहार राज्य जाकर किरन्दुल पुलिस ने की बड़ी कार्यवाही चोरी का पता लगाने में सायबर सेल की तकनीकी सहायता की अहम भूमिका

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

दिनांक 26/07/2025 को प्रार्थी केदार साहू निवासी किरंदुल द्वारा बोलेरो कैम्पर वाहन क. छत्त-18च-7386 को गैरेज के सामने दिनांक 25.07.2025 के रात्रि 08:30 बजे खड़ा किया था! सुबह करीबन 08:10 बजे प्रार्थी अपने गैरेज खोलने गया तो देखा कि बोलेरो कैम्पर वाहन खड़ी किये जगह पर नहीं था! प्रार्थी का बोलेरो कैम्पर वाहन कीमती लगभग 3,20,000/-रू. को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर थाना किरन्दुल में अपराध क्रमांक 41/2025 धारा 303(2) बी.एन.एस. अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक, दंतेवाड़ा गौरव राय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.के. बर्मन के मार्ग दर्शन एवं एसडीओपी किरन्दुल कपिल चंद्रा के पर्यवेक्षण में प्रकरण के चोरी गये वाहन एवं आरोपी का शीघ्र गिरफ्तार करने दिशा निर्देश प्राप्त होने पर थाना प्रभारी किरंदुल निरीक्षक संजय यादव द्वारा तत्काल टीम गठन कर आरोपी एवं चोरी गये सम्पत्ति बोलेरो कैम्पर वाहन क्रमांक छत्त-18 च-7386 के पतातलाश प्रारंभ किया गया !इस दौरान जगदलपुर से रायपुर तक के वाहन गुजरने के संबंध में जानकारी लेने पर कोई जानकारी प्राप्त नही हुआ तब पड़ोसी राज्यों आंध्रप्रदेश, तेलांगाना एवं ओडिशा में पतासाजी किया गया। जो ओडिसा के बरगढ़, से संबलपुर से होकर उक्त वाहन दिनांक 26.07.2025 को गुजरने का पत्ता चला जिसके सीसीटीवी फुटेज में प्रार्थी के पूर्व वाहन चालक आकाश तिवारी निवासी के द्वारा चोरी करने की पुष्टि होने पर वरिष्ठ कार्यालय से बिहार राज्य जिला-सारण जाने अनुमति प्राप्त कर थाना किरन्दुल से टीम रवाना किया गया ! परसा थाना इसुआपुर जिला-सारण (बिहार) पहुंचकर पतासाजी किया गया! आरोपी गिरफ्तारी की डर से वाहन को छोड़कर भाग गया। बोलेरो कैम्पर वाहन क. छत्त-18च 7386 जो दिनांक 01.08.2025 को बरामद किया गया । उपरोक्त कार्यवाही में थाना किरंदुल से सउनि. उत्तम कुमार ध्रुव, प्र0 आर0 ओमप्रकाश कश्यप, मधुकांत मरकाम, आरक्षक सुभाष प्रसाद, मकसूदन मंडावी एवं सायबर सेल दंतेवाड़ा टीम की महत्पपूर्ण भूमिका रही।

स्वतंत्रता दिवस, रजत जयंती वर्ष और हर घर तिरंगा कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित

विभागीय गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

मुंगेली /मूक पत्रिका

जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस, रजत जयंती वर्ष और ''हर घर तिरंगा'' कार्यक्रम के संबंध में चर्चा की। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस समारोह के गरिमामय आयोजन एवं तैयारियों के संबंध में चर्चा की और स्टेडियम की रंगाई, पुताई, नालियों की साफ-सफाई, गरिमामय सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने रजत जयंती वर्ष के आयोजन के संबंध में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ की प्रगति पर आधारित विभिन्न गतिविधि और कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित किए जाएंगे। पहला चरण 15 अगस्त 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक होगा और दूसरा चरण 01 नंवबर 2025 से 06 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा। जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने रजत जयंती वर्ष के आयोजन के संबंध में नवाचार आधारित गतिविधियां एवं कार्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ''हर घर तिरंगा'' कार्यक्रम के माध्यम से आमजनों में देशभक्ति की भावना विकसित करने और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाने के लिए 15 अगस्त के दिन अपने घर पर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित करने कहा। उन्होंने 90 प्लस परीक्षा परिणाम अभियान की समीक्षा करते हुए शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों का विजिट करने कहा। साथ ही स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने निर्देशित किया। उन्होंने धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत शिविरों के संबंध में जानकारी ली और हितग्राहियों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आय, जाति, निवास आदि प्रमाण पत्र बनाने तथा सिचुरेशन लाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर जी. एल. यादव एवं मेनका प्रधान, मुंगेली एसडीएम पार्वती पटेल सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

भारत पर दबाव की नीति से काम कर रहे ट्रंप

पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह अलग-अलग देशों पर शुल्क लगाने की बात कर रहे थे, उसे कई अर्थों में दबाव की रणनीति माना जा रहा था। मगर इस मसले पर अब उन्होंने जिस तरह के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं, उससे साफ है कि मनमाने तरीके से शुल्क लगाने के फैसले का इस्तेमाल किसी देश की नीति को प्रभावित करने के लिए एक औजार के तौर पर किया जा रहा है। इस क्रम में ट्रंप बीते दिनों बार-बार यह कहते रहे कि वे भारत से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर भारी शुल्क लगाएंगे। मगर उनके बयानों में जैसे उतार-चढ़ाव देखे गए, उसके मद्देनजर यह उम्मीद की जा रही थी कि वे अपनी जिद पर विचार करेंगे और भारत को लेकर उदार रुख अपनाएंगे। खासतौर पर इसलिए भी कि बीते कुछ वर्षों के दौरान भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के नए दरवाजे खुले थे और थोड़ी सक्रियता बढ़ी थी। गौरतलब है कि व्यापार वार्ता के संदर्भ में अमेरिका और भारत के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेत सामने आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर एक अगस्त से पच्चीस फीसद शुल्क और रूस से तेल खरीदने पर जुर्माना लगाने की घोषणा कर दी। हालांकि यह कोई अचानक हुआ फैसला नहीं लगता है और ट्रंप ने इस बार सत्ता में आने के बाद से ही आयात पर शुल्क लगाने की घोषणाओं पर कुछ जगहों पर अमल करना शुरू कर दिया है। मसलन, कनाडा पर ट्रंप ने पैंतीस फीसद शुल्क लगाने की घोषणा कर दी थी, जबकि उस समय व्यापार वार्ता जारी थी और एक समझौता होने की उम्मीद थी। भारत पर भी पच्चीस फीसद शुल्क तब लगाने की बात कही गई, जब अमेरिका के साथ द्विपक्षीय अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर अंतिम दौर की कोशिशें जारी थीं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के वार्ताकारों का एक समूह पच्चीस अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है जो प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर में हिस्सा लेगा। सवाल है कि व्यापार वार्ता के प्रयास जारी रहने और उसके निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति को शुल्क लगाने की घोषणा करने की जल्दबाजी करने की जरूरत क्यों लगी। क्या इस फैसले को व्यापार वार्ता में अपने हित में नीतिगत फैसले लेने के लिए दबाव बनाने की रणनीति नहीं माना जाएगा? एक दलील यह दी गई है कि भारत का शुल्क बहुत ज्यादा रहा है, इसलिए अमेरिका ने इसके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है। अगर ऐसा है तो इस मसले पर पहले बातचीत के जरिए दोनों पक्षों के बीच सहमति के बिंदुओं तक पहुंचने की जरूरत थी, न कि सीधे भारी शुल्क लगाने की घोषणा के जरिए दबाव बनाने की। फिर इसी बीच पाकिस्तान के साथ मिल कर अमेरिका के 'तेल भंडारों को विकसित करने' के सौदे की खबर के क्या मायने हो सकते हैं?

कटहल' का स्वाद और '12th फेल'' की कामयाबी

प्रो. मनोज कुमार

मध्यप्रदेश सिनेमा के लिए हमेशा से ऊर्वरा भूमि रही है. संभवत÷ अपने जन्म के साथ ही रजतपट पर मध्यप्रदेश का दबदबा रहा है. साल 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कारों में कटहल और '12ह्लद्ध फेल'' नें पुरस्कार जीत कर यह एक बार फिर प्रमाणित हो गया कि रजतपट में मध्यप्रदेश का कोई सानी नहीं. इन पुरस्कारों के साथ ही मध्यप्रदेश में फिल्म सिटी को आकार लेने के दावों को एक और वजह मिल गई है. 'कटहल' के युवा निर्देशक और पटकथा लेखक मध्यप्रदेश के हैं. युवा निर्देशक यशोवर्धन एवं पटकथा लेखक अशोक मिश्र का रिश्ता पिता-पुत्र का है. खास बात यह है कि 'कटहल' यशोवर्धन निर्देशित पहली फिल्म है. इसी तरह '12ह्लद्ध फेल' फेल एक ऐसे युवा की सच्ची कहानी है जिसने अपने आत्मविश्वास से नाकामयाबी को कामयाबी में बदल दिया. ऐसे युवक मनोज कुमार शर्मा का रिश्ता मध्यप्रदेश से हैं और वह वर्तमान में भारतीय पुलिस सेवा के उच्चाधिकारी हैं. उनकी कहानी को अनुराग पाठक ने ऐसे पिरोया कि '12ह्लद्ध फेल' ने ना केवल दर्शकों का दिल जीत लिया बल्कि एक बड़े निराश युवावर्ग में उत्साह का संचार किया.

'कटहल' का स्वाद और '12ह्लद्ध फेल' की कामयाबी से मध्यप्रदेश के सिने प्रेमियों का चेहरा खिल उठा. यह स्वाभाविक भी है और होना भी चाहिए. इस कामयाबी के बहाने फिल्म सिटी की संभावना और मध्यप्रदेश का रजतपट पर योगदान को भी समझा जा सकता है. मध्यप्रदेश हमेशा से सिनेमा के लिए मुफीद रहा है. शोमेन राजकपूर से लेकर दिग्गज फिल्म निर्देशक प्रकाश झा को मध्यप्रदेश लुभाता रहा है. यही नहीं, राजकपूर, प्रेमनाथ और सदी के नायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन का ससुराल भी मध्यप्रदेश है. लता मंगेशकर से लेकर किशोर कुमार, अशोक कुमार, अनूप कुमार, जया भादुड़ी, निदा फाजली, अन्नू कपूर जैसे अनेक नाम लिए जा सकते हैं तो पटकथा लेखकों में जावेद अख्तर और सलीम को कौन भुला सकता है? पीयूष मिश्रा की अदायगी, लेखन और आवाज के तो युवा पीढ़ी दीवानी है. यह तो थोड़े नाम हैं जिनके बिना रजतपट पर रंग नहीं चढ़ता है. नए समय में यशोवर्धन जैसे निर्देशक उम्मीद जगाते हैं. यहां इस बात का स्मरण कर लेना चाहिए कि बीते एक दशक में अनेक मल्टीस्टारर फिल्मों और टेलीविजन सीरियल्स के साथ वेबसीरिज का निर्माण हो रहा है. यह मध्यप्रदेश के कलाकारों, पटकथा लेखकों और तकनीकी जानकारों के लिए सुनहरा अवसर है. इस संभावना के साथ मध्यप्रदेश में फिल्मसिटी बनाने के लिए लम्बे समय से प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन अभी तक फिल्मसिटी की योजना मूर्तरूप नहीं ले सका है. यह एक टीस देने वाली बात है.

उल्लेखनीय है कि कभी मध्यप्रदेश फिल्म विकास निगम नाम से फिल्मों निर्माण एवं इससे संबंधित पक्षों को प्रोत्साहित करने की मकबूल संस्था थी. अनेक कारणों और नाकामी के चलते इसे बंद कर दिया गया. फिल्म विकास निगम के विसर्जन के साथ सिनेमा की असीमित संभवनाएं भी हाशिए पर चली गई. सबसे बड़ा नुकसान हुआ फिल्म विकास निगम द्वारा प्रकाशित गंभीर वैचारिक पत्रिका 'पटकथा' का अवसान. फिल्मसिटी के साथ इन सबको पुर्नजीवन देने की एक बार फिर जरूरत महसूस की जा रही है. मध्यप्रदेश में सिनेमा और फिल्मसिटी की जमीन तलाशने वाले श्रीराम तिवारी के हिस्से में फिल्म विकास निगम की जिम्मेदारी थी और आज वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संस्कृति सलाहाकार हैं तो सहज अपेक्षा होती है कि रजतपट पर मध्यप्रदेश की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने और मध्यप्रदेश की सिने प्रतिभाओं को तराशने के लिए अपने पुरानी पहल को आगे बढ़ाएं.

प्रसंगवश याद दिला देना जरूरी हो जाता है कि अगस्त 2025 में अपने पचास साल पूरा करने जा रही फिल्म 'शोले' का मध्यप्रदेश कनेक्शन रहा है. फिल्म में अमितभ बच्चन, जया भादुड़ी, जगदीप ने अभिनय किया तो सलीम-जावेद की जोड़ी भी मध्यप्रदेश से ही है. और तो और गब्बर को कैसा अभिनय करना है, यह पाठ भी अमजद खान ने देश के सुपरिचित पत्रकार एवं लेखक तरूण कुमार भादुड़ी की पुस्तक 'अभिशप्त चंबल' से किया. इस समय भोपाल में रंगमंच में सक्रिय राजीव वर्मा एवं रीता (भादुड़ी) वर्मा का भी हिन्दी सिनेमा में योगदान रहा है. अनेक फिल्मो में वर्मा दंपत्ति ने अपनी छाप छोड़ी है. इसी तरह वरिष्ठ रंग निर्देशक संजय मेहता भी रंगमंच के साथ लगातार फिल्मों में काम कर रहे हैं. हालिया 'धड़क्न-2' में भी उनकी भूमिका उल्लेखनीय है. ऐसे में मध्यप्रदेश में फिल्म सिटी की अनिवार्यता हो जाती है.

देश का दिल मध्यप्रदेश सिनेमा के लिए सौफीसद माकूल है. लोकेशन के लिहाज से, अभिनय और कथानक की दृष्टि से और सुरक्षा और सुरक्षित होने की दृष्टि से. प्रकाश झा ने आरक्षण, राजनीति और चक्रव्यूह जैसी बड़ी फिल्मों का निर्माण मध्यप्रदेश की जमीं पर किया. इसके बाद उनकी वापसी कभी होगी, किसी नए विषय को लेकर लेकिन तब तक मझोले और छोटे फिल्मकार नियमित रूप से मध्यप्रदेश में सक्रिय हैं, उन्हें सुविधा मिलेगी तो मध्यप्रदेश की सिनेमा परिदृश्य उन्नत होगा. फिल्मसिटी बन जाने से टैक्स के रूप में ना केवल सरकार को राजस्व का लाभ होगा बल्कि कलाकारों को भी उचित मेहनताना मिल सकेगा. उम्मीद की जाना चाहिए कि सबके प्रयासों से फिल्मसिटी जल्द ही आकार लेगा. तब हम हर वर्ष राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बार बार 'कटहल' का स्वाद और '12ह्लद्ध फेल' की कामयाबी का जश्न मना सकेंगे. (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

संस्कृत को घर घर तक पहुंचाने के लिए भागवत के सामयिक सुझाव

विगत दिनों नागपुर जिले के रामटेक में स्थित

कृष्णमोहन झा

कवि गुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय में नवनिर्मित अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक भवन का उद्घाटन करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा संस्कृत भाषा के महत्व को रेखांकित करते संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु व्यापक प्रयास किए जाने की आवश्यकता जताई है। संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए संघ प्रमुख ने इसे बोलचाल की भाषा बनाने पर विशेष जोर दिया । मुख्य अतिथि की आसंदी से मोहन भागवत ने कहा कि संस्कृत समझने और उसमें संवाद करने की क्षमता रखने में अंतर है। भागवत ने माना कि उन्होंने संस्कृत भाषा सीखी है लेकिन उसमें धाराप्रवाह नहीं बोल सकते। संस्कृत को घर घर तक पहुंचाने एवं इसे बोलचाल की भाषा बनाने की आवश्यकता है। भागवत ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार में कविकुल गुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कि इस विश्वविद्यालय को सरकार का संरक्षण तो मिलेगा परंतु इसमें जनसहयोग भी बहुत जरूरी है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के नागपुर जिले के अंतर्गत रामटेक में 1997 में कवि कुल गुरु कालिदास विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी जिसका ध्येय वाक्य ÷राष्ट्रहिताय संस्कृतम्÷ है। नागपुर से कालिदास के जुड़ाव के कारण इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए नागपुर के रामटेक नगर का चयन किया गया।

संघ प्रमुख ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं है बल्कि भारतीय संस्कृति और चेतना की वाहक है। जो व्यक्ति संस्कृत जानता है वह भारत को गहराई से समझ सकता है ।भागवत ने कहा कि आत्म निर्भर बनने की आवश्यकता पर सभी सहमत हैं जिसके लिए बुद्धि और ज्ञान का विकास करना होता है। भाषा एक भाव है। स्वत्व कोई भौतिक चीज नहीं है। यह वैचारिक और सांस्कृतिक पहचान है। इसकी अभिव्यक्ति भाषा के माध्यम से होती है। यह जिम्मेदारी केवल शिक्षा संस्थानों की नहीं बल्कि पूरे समाज की है। भागवत ने कहा कि संस्कृत को समझना देश को समझने के समान है। संघ प्रमुख ने आशा जताई कि यह संस्थान संस्कृत भाषा को न केवल जीवंत बनाए रखेगा बल्कि इसे रोजमर्रा की बोलचाल की भाषा बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संघ प्रमुख ने कहा कि हमारे लिए वैश्विक बाजार नहीं बल्कि वैश्विक परिवार महत्वपूर्ण है। यही वसुधैव कुटुम्बकम् है। भागवत ने याद दिलाया कि 2023 में जब भारत ने जी 23 समिट की अध्यक्षता की थी उसकी थीम वसुधैव कुटुम्बकम् ही थी।

संघ प्रमुख ने देश में संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए उक्त समारोह में जो सुझाव दिए हैं वे अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और उस दिशा में सक्रिय प्रयास किए जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि प्राचीनतम भारतीय भाषाओं में अग्रणी संस्कृत भाषा का गौरवशाली इतिहास है। लगभग सभी धार्मिक ग्रंथों की रचना भी संस्कृत भाषा में ही की गई है इसीलिए इसे देववाणी माना गया है। विश्व के अनेक देशों ने संस्कृत के महत्व को स्वीकार किया है। वैज्ञानिक सूचनाओं के आदान प्रदान में भी इसे उपयोगी माना जा रहा है। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए यदि संघ प्रमुख मोहन भागवत के उक्त विचारों पर गौर किया जाए तो उक्त समारोह में व्यक्त विचारों की उपादेयता स्वयंसिद्ध है।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

शशि की दृष्टि, प्रकाश की नीति-उत्तर प्रदेश प्रशासन में सुशासन की नई गति

(प्रणय विक्रम सिंह)

उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक परिदृश्य में मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल के रूप में एक नई संयमित सजगता का आगमन हुआ है। यह नियुक्ति मात्र वरिष्ठता की स्वीकृति नहीं, बल्कि सुशासन के सूत्रों को संयोजन से संचालन और दृष्टिकोण से निष्पादन तक पहुंचाने की एक जिम्मेदारीपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली तेजस्विता, तीव्रता, तथ्यता और तत्परता के चतुर्भुज पर आधारित है। एक ऐसी शासन-धारा, जो केवल योजनाओं की घोषणा पर नहीं, धरातल पर दिखने वाले परिणामों पर विश्वास करती है। इसी शासन-शैली को अब गोयल को गति और गहराई देनी है।

शशि प्रकाश गोयल, 1989 बैच के वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। उनकी गिनती तकनीक पसंद अफसरों में होती है। गोयल ने अपने तीन दशकों से अधिक के प्रशासनिक जीवन में राजस्व, नगर विकास, गृह, पथ निर्माण, औद्योगिक विकास जैसे विभागों में निर्णायक भूमिका निभाई है। वे मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव के रूप में शासन के सबसे महत्वपूर्ण बिंदु पर क्रियाशील रहे हैं, जहां निर्णय केवल लिए नहीं जाते, उन्हें मूल्यांकन, मार्गदर्शन और मॉनिटरिंग के संतुलन से आगे बढ़ाया जाता है। उनकी प्रशासनिक शैली में संयम, संकल्प और संरचना का त्रिवेणी संगम देखा गया है।

गोयल की कार्यशैली में मौन में मिशन, संकल्प में समर्पण और फाइल में फलितार्थ की वह शैली है, जो उत्तर प्रदेश जैसे विराट प्रदेश की जटिलता को संयमित संकल्पना और संरचित संप्रेषण से साध सकती है। उनकी दक्षता नीति के पृष्ठों से आगे जाकर जनता के पलकों तक पहुंची है। यही कारण है कि वे मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद अधिकारियों में सम्मिलित रहे हैं।

गोयल, मनोज कुमार सिंह का स्थान ले रहे हैं, जिन्होंने दुर्गाशंकर मिश्रा के पश्चात यह पद ग्रहण किया था। मनोज सिंह ने अपने सीमित कार्यकाल में ग्राम्य विकास की गहराई और फील्ड की तत्परता को शासन में समाहित किया। अब शासन की अपेक्षा एक ऐसे नेतृत्व की है, जो गति में गरिमा, दृष्टि में दीर्घता और निष्पादन में नयापन ला सके।

वर्तमान समय में मुख्य सचिव के समक्ष जो कार्य-सूची है, वह केवल योजनाओं की निगरानी नहीं, जनजीवन में योजनाओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने की चुनौती है। जीबीसी-5 के तहत ?5.06 लाख करोड़ की 5600 से अधिक परियोजनाएं, नकलमुक्त परीक्षाएं, भर्तियों में पारदर्शिता, खनन और भू-माफियाओं पर नियंत्रण, शहरी संयोजन से लेकर ग्राम्य सशक्तिकरण तक सभी मोर्चों पर परिणाम दिखाना अब केवल विभागों की जिम्मेदारी नहीं, मुख्य सचिव की न्याययुक्त निगरानी और निष्पादन-शक्ति की परीक्षा है।

इसके साथ ही जेवर एयरपोर्ट और गंगा एक्सप्रेस-वे जैसी बहुप्रतीक्षित परियोजनाएं इस साल पूरी होनी हैं, वहीं पंचायत चुनावों की तैयारियां भी शासन को सहज और सशक्त नेतृत्व की ओर देख रही हैं। इन सभी लक्ष्यों की डोर अब एसपी गोयल के हाथों में है।

गोयल का पिछला कार्यकाल इस परीक्षा के लिए तैयारी की तरह रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय में रहते हुए उन्होंने सीएम डैशबोर्ड, जीबीसी संचालन, डिजिटल निगरानी प्रणाली, और जनपदीय रिपोर्टिंग तंत्र को सुदृढ़ बनाया। उनके नेतृत्व में विकास को वाक्य नहीं, व्यावहारिकता की भाषा मिली। अब यही अनुभव पूरे शासनतंत्र को गति और गंभीरता देने में सहायक हो सकता है।

उत्तरदायित्व की उत्तरायण यात्रा

अब यह कुर्सी केवल कागजों की कलमकारी नहीं, बल्कि परिणामों की पारदर्शिता का प्रतीक बन चुकी है। मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल के समक्ष उत्तर प्रदेश को परियोजनाओं की परिकल्पना से निकालकर जनजीवन की जागरूकता तक पहुंचाने की चुनौती है। यह कार्य केवल नियमों की निगरानी नहीं, बल्कि न्यायसंगत निष्पादन की पुनःस्थापना है।

संक्षेप में कहें तो, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को धरातल पर उतारना ही मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल की सफलता की वास्तविक कसौटी होगी। जहां केवल योजनाओं की गति नहीं, बल्कि उनका जनजीवन पर पड़ने वाला प्रभाव ही उनके प्रशासनिक नेतृत्व की प्रामाणिकता सिद्ध करेगा।

और इसमें किंचित भी संशय नहीं कि शशि प्रकाश की कार्यशैली में, उनके नाम के अनुरूप ही, चंद्रमा की शीतल दृष्टि और प्रकाश की प्रखर दिशा का संतुलित समागम है- न शोर, न प्रदर्शन केवल शांति में साधना और प्रक्रिया में परिणाम। यही सौम्यता और संकल्पशीलता उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपेक्षाओं के अनुरूप स्थिरता, संरचना और सिद्धि के संगम तक ले जाने में समर्थ बनाती है।

यह कहना समीचीन होगा कि मुख्य सचिव के रूप में उनका कार्यकाल नीतियों के अनुपालन से आगे बढ़कर, जनजीवन में सुशासन की सजीव अनुभूति का आधार बनेगा- एक ऐसा उजास, जो 'शशि' की तरह सहज हो और 'प्रकाश' की तरह स्पष्ट। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता

गृहमंत्री ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए उसने भगवा आतंकवाद का झूठा सिद्धान्त बनाया। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने इस झूठ को नकार दिया। शाह के इस ब्यान के बाद चर्चा छिड़ी है कि उन्होंने आखिर ऐसा दावा कैसे कर दिया कि हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता? पूछा जा रहा है कि उन्होंने भावावेश में आकर अतकथनी कर दी या हिन्दू अस्मिता के प्रेम में फंस कर ये दावा कर दिया? अमित शाह का उक्त कथन उन लोगों के तो गले बिल्कुल नहीं उतर रहा जो अभी तक इसी विमर्श को पल्लवित-पोषित करते आ रहे हैं कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता', तो फिर कैसे हिन्दुओं को इस मामले में एकतरफा चरित्र प्रमाणपत्र दिया जा रहा है?

(राकेश सैन)

कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने इस झूठ को नकार दिया। शाह के इस ब्यान के बाद चर्चा छिड़ी है कि उन्होंने आखिर ऐसा दावा कैसे कर दिया कि हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता? आपरेशन सिन्दूर पर संसद में हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा कि 'मैं गर्व से कह सकता हूं कि कोई भी हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता।' गृहमंत्री ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए उसने भगवा आतंकवाद का झूठा सिद्धान्त बनाया। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन भारत की जनता ने इस झूठ को नकार दिया। शाह के इस ब्यान के बाद चर्चा छिड़ी है कि उन्होंने आखिर ऐसा दावा कैसे कर दिया कि हिन्दू कभी आतंकी नहीं हो सकता? पूछा जा रहा है कि उन्होंने भावावेश में आकर अतकथनी कर दी या हिन्दू अस्मिता के प्रेम में फंस कर ये दावा कर दिया? अमित शाह का उक्त कथन उन लोगों के तो गले बिल्कुल नहीं उतर रहा जो अभी तक इसी विमर्श को पल्लवित-पोषित करते आ रहे हैं कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता', तो फिर कैसे हिन्दुओं को इस मामले में एकतरफा चरित्र प्रमाणपत्र दिया जा रहा है? निष्पक्ष हो कर अमित शाह के ब्यान को जांचा-परखा जाए तो सामने आता है कि इसमें न तो अतिरंजना है न मनोवेश या अतिश्योक्ति, बल्कि यह एतिहासिक सत्य, भारत-भूमि पर पनपा प्रमाणिक हिमालयी तथ्य है कि हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। आओ सबसे पहले जानें कि आतंकवाद आता कहां से है, इसका वीर्य क्या है? असल में विश्व में ईश्वर को लेकर दो तरह की अवधारणाएं या मार्ग हैं, एक

सनातन व दूसरा सेमेस्टिक या सामी। सभी मार्ग सम्मानित हैं, पर इनमें मौलिक अन्तर हैं। सेमेस्टिक मजहब में ईश्वर का एक निश्चित संदेशवाहक या पैगम्बर या दूत, एक ही धर्म ग्रन्थ रहता है-जैसे इस्लाम, ईसाई व यहूदी मजहब। उक्त सभी मजहब अपने-अपने पैगम्बर को ईश्वर का अंतिम दूत और अपने-अपने धर्म ग्रन्थों में वर्णित बातों को ही ईश्वर का अंतिम सन्देश मानते हैं। सामी मजहब वाले केवल ऐसा मानते ही नहीं बल्कि अपने पैगम्बर व ग्रन्थों की बातों को दूसरे से श्रेष्ठ मानते हुए उन पर थोपने का प्रयास भी करते हैं। धीरे-धीरे इनके अनुयायियों में श्रेष्ठता की यही ग्रन्थी केवल मजहबी उन्माद तक ही सीमित नहीं रहती बल्कि रहन-सहन, खान-पीन, भाषा-वाणी अर्थात जीवन के हर क्षेत्र को संक्रमित कर देती है। दूसरे को हीन समझ उस पर अपने विचार व आस्था लादने के लिए कोई करूसेड करता है तो कोई जिहाद। दुनिया में ईसाईयत व इस्लाम के नाम पर जो अत्याचार, हिंसा, खूनखराबा हुआ सभी इसी श्रेष्ठा की ग्रन्थी के संक्रमण के चलते हुआ। दूसरे की आस्था के प्रति असम्मान, हिकारत, तिरस्कार में ही आतंकवाद के बीज छिपे रहते हैं। मध्ययुग में ईसाईयत के नाम पर आतंकवाद फैला परन्तु पश्चिमी समाज में आई नवचेतना के चलते इसने रूप बदल कर सेवा व लालच का ले लिया परन्तु इस्लाम के प्रचार-प्रसार का अमानवीय ढंग निरंतर जारी रहा, जिसे आज इस्लामिक आतंकवाद कहा जाने लगा है। आज ईसाई मिशनरीज़ सेवा व लालच के बल पर धर्मपरिवर्तन करते हैं और जिहादी बंदूक की नोक पर, दोनों का लक्ष्य एक ही है कि अपने-अपने मजहबों की संख्या बढ़ाना चाहे साधन अलग-अलग हैं। इस्लामिक जिहाद की तरह अगर ईसाईयों की सेवा व प्रलोभन के प्रपंचों को भी आतंकवाद का नाम दे दिया जाए तो कोई विषयभटकाव नहीं होगा।

सामी मजहबों के विपरीत दूसरी विचारधारा है सनातन, जिसे हिन्दू धर्म भी कहते हैं। 'श्री अरविन्द की दृष्टि में हिन्दू धर्म और सामी मजहब' पुस्तक में महर्षि अरविन्द कहते हैं-''जिस धार्मिक संस्कृति को हम आज हिन्दू धर्म के नाम से पुकारते हैं उसने अपना कोई नाम नहीं रखा, क्योंकि उसने स्वयं अपनी कोई साम्प्रदायिक सीमा नहीं बांधी। उसने सारे संसार को अपना अनुयायी बनाने का कोई दावा नहीं किया, किसी एकमात्र निर्दोष सिद्धांत की प्रस्थापना नहीं की, मुक्ति का कोई एक ही संकीर्ण पथ या द्वार निश्चित नहीं किया। वह कोई मत या पन्थ की अपेक्षा कहीं अधिक मानवआत्मा के ईश्वरोन्मुख प्रयास की एक सतत् विकासशील परम्परा है।'' सनातन का विचार है 'एकम सत विप्रा बहुधा वदन्ति' अर्थात सत्य एक है जिसे विद्वान उसे विभिन्न नामों से बुलाते हैं।

'अयं निज- परो वेति गणना लघुचेतसाम।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम।।

अर्थात तेरे-मेरे की भावना छोटे मन का प्रतीक है, उदारचित्त वालों के लिए तो सारी पृथ्वी ही एक परिवार है। सनातन धर्म मानता है तेरा धर्म तुझे मुबारक और मेरी आस्था मुझे। दोनों की मार्ग श्रेष्ठ हैं। मार्ग अलग-अलग हैं परन्तु सभी की मंजिल एक है, जैसे सभी नदियां अंततः एक समुद्र में विलीन हो जाती हैं उसी तरह सभी पथ उसी एक मंजिल पर ही मिलते हैं। यही भावना है जो हिन्दू को आतंकवादी बनने से रोकती है। इतिहास साक्षी है कभी भारत ने तलवार के जोर पर न तो किसी के भू-भाग को कब्जाया और न ही दूसरे पर अपना धर्म या विचार थोपा। इसी सर्वसमावेशी व सर्वपन्थ समादर भाव वाली जीवन शैली के आधार पर ही अमित शाह ने राज्यसभा में डंके की चोट पर दावा किया कि हिन्दू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता।

जनपद पंचायत स्तर के लंबित निर्माण कार्यों को लेकर कलेक्टर ने जताई नाराजगी तल्ख अंदाज में कहा- बार-बार समीक्षा के बाद भी कार्य पूर्ण नहीं हुआ तो रोका जाएगा वेतन

कांकेर/मूक पत्रिका

समय-सीमा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने बीते मंगलवार को जिले की सभी जनपद पंचायतों में विभिन्न पुराने लंबित निर्माण कार्यों के संबंध में नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि या तो ये छोटे-मोटे कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करें, या फिर पूर्ण नहीं कर पाने की स्थिति में संबंधित विभाग को राशि वापस लौटा दें। उन्होंने तल्ख अंदाज में कहा कि प्रत्येक सप्ताह समीक्षा करने के बाद भी इन लंबित कार्यों में प्रगति नहीं आ रही है। ऐसे में संबंधित जनपद पंचायत के सीईओ का वेतन रोकने की कार्यवाही सख्ती से की जाएगी। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बीते मंगलवार सुबह 10.30 बजे से आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों में आंगनबाड़ी एवं पीडीएस सेंटर भवन निर्माण सहित ग्राम पंचायतों में बनाए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी जनपद सीईओ को उक्ताशय के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को जेम पोर्टल के माध्यम से ही सभी प्रकार का क्रय नियमानुसार पूरी सतर्कता के साथ करने के लिए निर्देशित किया। इसमें किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही वित्तीय नियमों के उल्लंघनके श्रेणी में आएगी, अतः सभी अधिकारी शासकीय निर्माण कार्यों से संबंधित सामग्री एवं अन्य उपकरणों का क्रय गंभीरता से करें। बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को कहा कि ई-ऑफिस के माध्यम से ही सभी प्रकार की फाइलों एवं नस्तियों को मूव करें। उन्होंने अधीनस्थ कार्यालयों में भी ई-ऑफिस के माध्यम से सभी प्रकार के विभागीय दैनिक गतिविधियों का क्रियान्वयन करने हेतु निर्देशित किया। इसी तरह प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए इसके लाभ से आम जनता को अवगत कराने के निर्देश कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग को दिए।

आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक का अवॉर्ड कलेक्टर को सौंपा-कांकेर जिले को संपूर्णता अभियान के तहत आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक हेतु उत्कृष्ट कार्य के लिए रायपुर में आयोजित सम्मान समारोह में शनिवार 02 अगस्त को सम्मानित किया गया। कलेक्टर की ओर से जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने सम्मान ग्रहण किया था। आज आयोजित टीएल बैठक की शुरूआत में उक्त सम्मान को सीईओ ने कलेक्टर को भेंट किया। इस दौरान कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विभागों ने पूरी शिद्दत के साथ मेहनत व लगन से बेहतर कार्य किया, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने आगे भी शासन की योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन करने के लिए सभी अधिकारियों को प्रोत्साहित किया।उल्लेखनीय है कि राज्य के आकांक्षी जिलों और आकांक्षी विकासखंडों में तीन महीनों तक संचालित संपूर्णता अभियान में निर्धारित संकेतकों को संतृप्त करने और लक्ष्यों को हासिल करने वाले जिलों और विकासखंडों को पुरस्कार प्रदान किए गए। संपूर्णता अभियान में कांकेर जिले को रजत पदक प्राप्त हुआ तथा आकांक्षी विकासखण्ड की श्रेणी में कोयलीबेड़ा ब्लॉक को स्वर्ण और दुर्गुकोंदल ब्लॉक को रजत पदक प्राप्त हुआ।

बैठक में कलेक्टर ने विभागवार लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने एलडब्ल्यूई सर्वे, नियद नेल्लानार योजना, ठोस अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, सामाजिक अंकेक्षण, आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, पोषण पुनर्वास केन्द्र सहित विभिन्न प्रकरणों की विभागवार एवं योजनावार प्रगति की समीक्षा की।

बस्तर विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा हुई -समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर क्षीरसागर ने बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत लंबित निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने वर्ष 2020-21 से लंबित निर्माण कार्यों को लेकर असंतोष जाहिर करते हुए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

शहरी क्षेत्रों में स्कूलों के आसपास तम्बाकू उत्पाद बेचने वालों पर सख्ती से प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें सभी एसडीएम

कांकेर/मूक पत्रिका

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर की अध्यक्षता में बीते मंगलवार को राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्कूलों व सार्वजनिक स्थलों के आसपास ठेले, गुमटियों में तम्बाकू और उससे निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पाद बेचे जाने की शिकायतें अक्सर मिलती हैं। बच्चों को किसी प्रकार के नशे की लत ना पड़े, इसलिए सभी अनुविभागीय अधिकारी कोटपा एक्ट के तहत सख्ती से प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें। कलेक्टर द्वारा जिले में नशे के विरुद्ध अभियान चलाते हुए सतत् चालानी कार्यवाही करने, जिले के सभी कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों को तम्बाकू मुक्त किये जाने के साथ-साथ यथाशीघ्र जिले को धूम्रपान मुक्त किये जाने के निर्देश दिए गए।

पुलिस विभाग की समीक्षा बैठक में कोटपा 2003 के विषय को भी शामिल करने तथा जिले के समस्त कार्यालयों में तम्बाकू नियंत्रण के लिए नोडलअधिकारी के नामांकित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के जिला सलाहकार डॉ. विनोद वैध द्वारा तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में की जा रही गतिविधियों के सम्बंध में अवगत कराया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.सी. ठाकुर द्वारा राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, कोटपा एक्ट 2003, कोटपा छ.ग. संशोधन अधिनियम 2021, धूम्रपान मुक्त नीतियों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जिला स्तर के सभी अधिकारीगण उपस्थित थे।

जन समस्याओं को लेकर जिला पंचायत सदस्य मृदुला भास्कर ने ग्रामीणों के साथ कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कांकेर/मूक पत्रिका

जिला पंचायत कांकेर क्षेत्र क्रमांक 01 के सदस्य मृदुला भास्कर ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ मिलकर मंगलवार को जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में क्षेत्र में व्याप्त गंभीर जनसमस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की गई है। पंचायत सदस्य भास्कर ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया कि क्षेत्र के अधिकांश ग्राम पंचायतों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की भारीकमी है। सरकारी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, राशन दुकान, बिजली आपूर्ति, पुलिस व्यवस्था और स्वास्थ्य केंद्र जैसी सेवाएं या तो निष्क्रिय हैं या फिर वर्षों से उपेक्षित हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में पेयजल संकट विकराल होता जा रहा है और कई गांवों में गर्मियों के दौरान जलस्तर अत्यधिक गिर जाने के कारण लोगों को दूर-दराज़ से पानी लाना पड़ रहा है। इसके अलावा किसानों को खाद और बीज की आपूर्ति भी समय पर नहीं हो पा रही है, जिससे उनकी खेती प्रभावित हो रही है। मृदुला भास्कर ने यह भी बताया कि इन समस्याओं के निराकरण हेतु ग्रामीणों ने कई बार संबंधित विभागों और अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। प्रशासनिक उपेक्षा के कारण ग्रामीणों में भारी असंतोष व्याप्त है।

ग्रामीणों के साथ ज्ञापन सौंपते हुए उन्होंने मांग की कि जिला प्रशासन इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मौके पर निरीक्षण करे और आवश्यकतानुसार तत्काल राहत एवं सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करे। ज्ञापन सौंपने वालों में क्षेत्र के ग्रामीणों सहित कई गांवों के प्रतिनिधि रहे।

बैंकिंग सुविधा की पहुंच बढ़ेगी गांवों में, एक्सिस बैंक के द्वारा 5 पंचायतों में बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट किया गया नियुक्त

कलेक्टर ने नये नियुक्त बैंकिंग संवाददाताओं को मोबाइल सौंपा

कलेक्टर ने कहा बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट का दायित्व एक नौकरी के साथ-साथ सामाजिक सेवा भी है अतः उत्कृष्ट कर्तव्य निर्वहन कर पंचायतों को डिजिटल बनाने में सहयोग दें

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं को सुलभ और सहज बनाने के उद्देश्य से ÷ग्राम पंचायत अटल डिजिटल कनेक्ट÷ योजना के तहत दंतेवाड़ा जिले में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इसी क्रम में बीते कलेक्टर कुणाल दुदावत ने पांच ग्राम पंचायतों बड़े बचेली, बालूद, जावंगा, बारसूर, कारली के नये नियुक्त बैंकिंग संवाददाताओं (बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट) को मोबाइल डिवाइस प्रदान किए। नये नियुक्त हुए बैंकिंग संवाददाता दूरस्थ ग्राम पंचायतों में बैंकिंग प्रणाली डिजिटलीकरण अन्तर्गत बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगे। इस अवसर पर कलेक्टर दुदावत ने नियुक्त बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट से मुखातिब होते हुए कहा कि अब गांवों के लोग घर बैठे ही महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पेंशन, श्रमिक जैसी विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने सभी बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट से आग्रह किया कि वे न केवल राशि का वितरण करें, बल्कि खातों की जानकारी, लेन-देन और अन्य बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को उपलब्ध कराये। उन्होंने यह भी कहा कि जो बैंकिंग संवाददाता गांव में सबसे अधिक लेन-देन करेगा और ग्रामीणों को अधिक से अधिक सेवाएं देगा, उसे प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

जनदर्शनः दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) को मिला पंजीयन प्रमाण पत्र

आसपास के गॉवों के किसान बेच सकेंगे दुग्ध, समय और पैसे की होगी बचत

मुंगेली /मूक पत्रिका

दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) विकासखण्ड मुंगेली का पंजीयन उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने समिति के अध्यक्ष रिषिराज सिंह और उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र साहू को दुग्ध पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदान किया। दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) का पंजीयन हो जाने से आसपास के 05 से 08 गॉवों के दुग्ध उत्पादक किसान उक्त समिति में ही वास्तविक मूल्य पर दुग्ध बेच सकेंगे, इससे किसानों के शहर आने-जाने में लगने वाले समय की बचत होगी। साथ ही आवागमन में होने वाला खर्च भी बचेगा। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर. एम. त्रिपाठी ने बताया कि पशुपालकों के आय में वृद्धि हेतु शासन की फ्लैगशीप योजना ''सहकार से समृद्धि'' के तहत समस्त ग्राम पंचायतों में सहकारी समिति का गठन किया जाएगा। अभी तक 07 दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है। इससे गॉव के किसानों को बेहतर सुविधा प्राप्त होगी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण एवं मतदान केन्द्र युक्तियुक्तकरण को लेकर 6 अगस्त को होगी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशों के तहत फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस प्रक्रिया से पहले 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केन्द्रों का युक्तियुक्तकरण किया जाना अनिवार्य है। इसी क्रम में 06 अगस्त 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे कलेक्टरेट के दिशा सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई है। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा तथा मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण पर चर्चा की जाएगी। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सहयोग सुनिश्चित करने हेतु सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से आग्रह किया गया है कि वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि को बैठक में भेजकर सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक मे निर्वाचन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों में राजनीतिक दलों की सहभागिता एवं सहमति सुनिश्चित की जाएगी।

जिले में अब तक 329 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा। चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 05 अगस्त 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 329 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील थानखम्हरिया में 474.3 मि.मी. तथा न्यूनतम 246.5 मि.मी. वर्षा भिंभौरी तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 261.1 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 348 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 315.4 मि.मी., देवकर तहसील में 306 मि.मी, वर्षा दाढ़ी तहसील मे 395.1 मि.मी., वर्षा नवागढ़ तहसील में 255 मि.मी. एवं साजा तहसील में 359.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

'प्राथमिक शाला बयानार के पुनर्जीवन की माँग तेज़, ग्रामीणों ने बच्चों की सुरक्षा पर जताई चिंता'

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले के बयानार ग्राम के ग्रामीणों ने एक बार फिर अपनी वर्षों पुरानी माँग को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर कांकेर को एक ज्ञापन सौंपकर वर्ष 1962-63 से संचालित आदिवासी कल्याण विभाग की प्राथमिक शाला बयानार को पुनः प्रारंभकरने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह शाला वर्ष 2004 तक सुचारू रूप से संचालित रही, लेकिन 2005 में जब संयुक्त आश्रम प्रारंभ हुआ तो विद्यालय को ÷विद्युत÷यानी बंद कर दिया गया। उसके पश्चात बिना किसी आदेश के बयानार के बच्चों को अन्य ग्राम कनमा स्थित आश्रम में भेज दिया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कनमा आश्रम ग्राम से दूर जंगल के बीच है, जिससे बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है वर्ष 2013-14 में कनमा आश्रम को स्थायी रूप से ग्राम से बाहर तालाब किनारे स्थानांतरित कर दिया गया, जिससे बयानार के छोटे बच्चों को आने-जाने में अत्यधिक कठिनाई होती है। इसके अलावा, शासन के नियमानुसार अन्य ग्रामों के छात्रों को बयानार भेजा जाना था, लेकिन इसके उलट बयानार के बच्चों को ही बाहर भेजा जा रहा है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि बच्चों को रोज़ 3 किलोमीटर जंगल पार कर स्कूल भेजना पड़ता है, जो वन्य जीवों और अन्य खतरों के कारण अत्यंत असुरक्षित है। इसके अलावा कई अभिभावकों ने बच्चों को दूर भेजने से मना कर दिया है, जिससे उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है।

ग्रामीणों की स्पष्ट माँग है कि उनके बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्राम में संचालित पुरानी प्राथमिक शाला बयानार को पुनः प्रारंभकिया जाए, ताकि बच्चे अपने ही गाँव में सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर सकें। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

नगर पालिका सीएमओ के निष्कृता के चलते जनता परेशान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शिवसेना, यूबीटी पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश महासचिव दाऊ राम चौहान ने कहा कि वार्ड क्रमांक 15 गॉड ब्राह्मण धर्मशाला से दुर्गा मंदिर तक मुख्य नाली का निर्माण हुए लगभग 12 वर्ष हो चुके हैं जिसका आज तक बेमेतरा नगर पालिका प्रशासन के चलते अच्छे से सफाई नहीं हो पाया है जिसका परिणाम आज वह नाली पूरी तरह से गंदगी एवं मलमा से पड़ गई है उक्त वार्ड के निवासियों की निकासी व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है निकासी हेतु बनाए गए पाइपलाइन से ऊपर मलमा जाम हो गया है जिसकी शिकायत उक्त वार्ड वाशी ओं द्वारा दिनांक ,02,12,2020 एव 03,11,2022, व,30,09,2024, एवं दिनांक, 05,08,2025, दिन मंगलवार को जनदर्शन मैं वार्ड निवासी कृष्ण कुमार ऑफ सोनू पांडे के द्वारा जनदर्शन में जिला प्रशासन को शिकायत आवेदन दिया गया है उक्त पालिका प्रशासन के निष्क्रियता के चलते आम जनता जिला प्रशासन को शिकायत आवेदन देने की नौबत आ गई क्या इसके बाद पालिका प्रशासन उक्त नालियों का सफाई सात दिवस के भीतर सफाई करने को कहा गया है यदि वक्त नालियों का सफाई समय रहते नहीं की जाती है तो शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के प्रदेश महासचिव दाऊ राम चौहान ने पालिका प्रशासन का घेराव करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

प्रतिभाशाली छात्रों को मिलेगा एक लाख रुपये तक का पुरस्कार, दो सौ छात्रों को मिलेगा विधानसभा भ्रमण का अवसर

बेमेतरा विधायक दीपेश साहू की पहल : श्रीराम एकेडमी में MLA फेलोशिप कार्यक्रम का

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विधायक दीपेश साहू ने शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विधायक फेलोशिप कार्यक्रम - सपनों की उड़ान का शुभारंभ किया। यह आयोजन श्रीराम एकेडमी, बेमेतरा में हुआ, जिसमें जिलेभर से आए सैकड़ों छात्र-छात्राएं, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक दीपेश साहू ने प्रोजेक्टर के माध्यम से रिमोट दबाकर की। मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का गुलाब फूल भेंट कर स्वागत किया गया। श्री साहू ने प्रथम पंजीयन फॉर्म भरवाकर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की । इस फेलोशिप कार्यक्रम के तहत चयनित प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर एक लाख रुपये का पुरस्कार मिलेगा। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 51 हजार रुपये, तृतीय स्थान वाले को 31 हजार रुपये दिए जाएंगे। प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को 5,100 रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा।शीर्ष एक सौ प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और शील्ड प्रदान की जाएगी। शीर्ष दो सौ प्रतिभागियों को छत्तीसगढ़ विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। पंजीयन प्रक्रिया 11 अगस्त से शुरू होकर 30 अगस्त तक चलेगी।

शिक्षा को मिलेगी नई दिशा: विधायक - विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि बेमेतरा के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, उन्हें केवल उचित मार्गदर्शन और अवसर की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं शिक्षक के रूप में अपने जीवन की शुरुआत की थी, इसलिए शिक्षा का महत्व भली-भांति जानते हैं। इसी सोच के साथ इस फेलोशिप कार्यक्रम की शुरुआत की गई है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र भी आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि श्रीराम एकेडमी के माध्यम से पहले से ही निशुल्क कोचिंग दी जा रही है, जिसका सकारात्मक परिणाम सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में देखने को मिला है। अब यह फेलोशिप कार्यक्रम छात्रों को नई ऊर्जा और लक्ष्य प्रदान करेगा। मेरा सपना है कि हर गांव से एक भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय पुलिस सेवा का अधिकारी निकले, और यह तभी संभव होगा जब हम शिक्षा को प्राथमिकता दें। इसी सोच के साथ मैं स्वयं छात्रों का नामांकन कर रहा हूं।

पत्रकारों ने व्यक्त किए अपने विचार - कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकारों ने इस पहल की सराहना की। सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष दिनेश दुबे ने कहा कि विधायक दीपेश साहू ने युवाओं की भावनाओं को समझते हुए एक ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम उठाया है। मात्र नौ माह में श्रीराम एकेडमी के दो छात्रों ने राज्य स्तर पर स्थान प्राप्त कर कोचिंग की गुणवत्ता को सिद्ध किया है। श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला ने कहा कि श्रीराम एकेडमी केवल एक कोचिंग सेंटर नहीं, बल्कि शिक्षा का मंदिर है। वरिष्ठ पत्रकार किशोर तिवारी ने कहा कि छात्रों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि कोचिंग और विधायक साहू का मार्गदर्शन सही दिशा में है। वरिष्ठ पत्रकार अमीन पप्पू रवानी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए श्रीराम एकेडमी अब एक भरोसेमंद नाम बन चुका है। यह योजना गरीब और मध्यमवर्गीय छात्रों को बड़ा मंच दे रही है। वरिष्ठ पत्रकार योगेश सिंह राजपूत ने कहा कि सपना वह नहीं जो सोते समय देखा जाए, बल्कि सपना वह है जो जागकर पूरा किया जाए। विधायक साहू ने वही सपना साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाया है। वे केवल जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि दूरदर्शी सोच के प्रतीक हैं। कार्यक्रम का संचालन मनीष वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष दिनेश दुबे, श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार किशोर तिवारी, अमीन पप्पू रवानी, योगेश सिंह राजपूत, कोमल सिंह राजपूत, भूपेंद्र साहू, योगिता साहू, अरुण कुमार, अरुण पुरैना, ईश्वर सिंह राजपूत, सुफल मानिकपुरी, योगेश राजपूत, ममता ग्वालवंशी, उमाशंकर दिवाकर, सुरेंद्र मैड़ी धिवर, मोहन पटेल, युवराज पटेल, परमेश्वर यादव, हिमाचल शर्मा, लाल सिंह ठाकुर, अजीत सिंह राजपूत, ताम्रध्वज साहू, भारत चतुर्वेदी, तोमेश्वर खरे, ओमकार सियान तथा श्रीराम एकेडमी के शिक्षक वाई डी साहू, दिलीप मंथन, भूषण साहू, लिकेश साहू, स्मिता सिंह, पम्पी साहू, मनीष वर्मा, मोहित निषाद, गोपी निषाद सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सरस्वती शिशु मंदिर चांपा के शिशु वाटिका में शिवभक्ति की झलक, नन्हे भैया-बहनों ने निकाली कांवड़ यात्रा

मूक पत्रिका/ जांजगीर चांपा- सरस्वती शिशु मंदिर में शिशु वाटिका के नन्हे भैया-बहनों ने श्रद्धा और भक्ति भाव से ओतप्रोत कांवड़ यात्रा निकाली। भोलेनाथ के जयघोषों से गूंजते विद्यालय परिसर में बच्चों ने बोल बम, हर हर महादेव, बम बम भोले के जयघोष के साथ कांवड़ यात्रा करते हुए शिवजी का जलाभिषेक किया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम के तहत बच्चों ने कांवड़ व ध्वज लेकर छोटी यात्रा निकाली, जिसमें एकता, भाईचारे और समर्पण की भावना देखने को मिली। विद्यालय परिसर में गूंजते शिव भजनों और पारंपरिक लोकगीतों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। बच्चों को कांवड़ यात्रा के महत्व की जानकारी भी दी गई और उन्हें शिवभक्ति के पारंपरिक गीतों के माध्यम से सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया गया। इस सफल आयोजन में विद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार कश्यप, प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार पाण्डेय, जिला प्रमुख शिशु वाटिका श्रीमती उषा देवांगन, श्रीमती जय कंसारी, श्रीमती गीता शर्मा, श्रीमती खुशबू कैवर्त, श्रीमती केश्वरी नामदेव, श्रीमती रजनी पाण्डेय, सुनित स्वर्णकार, योगेश, श्रीमती निशु राठौर, श्रीमती संगीता यादव, श्रीमती राखी सिंह, शिव कुमार बरेठ एवं विद्यालय परिवार का विशेष योगदान रहा। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन के माध्यम से नन्हें बच्चों के माध्यम से श्रद्धा, संस्कृति और संस्कार का संदेश देने का सराहनीय प्रयास किया।

विधायक अनुज ने एक करोड़ छत्तीस लाख रुपये के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

मूक पत्रिका/ धरसींवा - बीते मंगलवार को क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए । जिसमे ग्राम बरबंदा के स्वामी आत्मानंद हिंदी /अंग्रेजी उत्कृष्ट शा.उ.मा.वि. के नवीन भवन निर्माण कार्य (स्वीकृत राशि - 121.16 (एक करोड़ इक्कीस लाख सोलह हज़ार रुपये) एवं ग्राम सिलतरा में सेन समाज भवन निर्माण कार्य (स्वीकृत राशि - 15 लाख) के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। ग्राम सिलतरा में भूमिपूजन के साथ साथ शाला प्रवेशोत्सव एवं दिव्यांग सायकल वितरण कार्यक्रम भी रखा गया था7 विद्यार्थियों की सुविधा के लिए शाला भवन एवं अतिरिक्त कक्ष का भूमिपूजन विधायक शर्मा के करकमलों से संपन्न हुआ, इस अवसर पर विधायक शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही वह साधन है जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर और समाज में सकारात्मक योगदान करने में मदद करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से लगन और निष्ठा से पढ़ाई करने की अपील करते हुए अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा किए। विधायक शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की डबल इंजन भाजपा सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव जी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किये जा रहें हैं। विगत डेढ़ वर्षों में प्रदेश में छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के साथ शिक्षा स्तर में सुधार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा नई एजुकेशन पॉलिसी को पूर्ण रूप से लागू करके शिक्षा को रोजगार के साथ जोड़ने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को आवश्यक कौशल व ज्ञान के साथ युवाओं को बेहतर शिक्षा प्रदान कर उनका उज्वल भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में सराहनीय कदम है। आज समग्र शिक्षा योजना के तहत स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही सुविधाओं का भी निरंतर विस्तार हो रहा है। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, जिला पंचायत सभापति सविता चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष शकुंतला ढिलेन्द्र सेन, उपाध्यक्ष दिनेश खूंटे, जनपद सभापति रूखमणि वर्मा, मंडल अध्यक्ष हरिशंकर वर्मा, डॉ. के के वर्मा ,साधु राम दीवान,मीरा मढरिया, सहित स्कूल बच्चे, पालक-शिक्षकगण व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली 30 से ज्यादा ट्रेनें 15 सितंबर तक रहेगी रद्द

मूक पत्रिका/ जांजगीर-चाम्पा - दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के जोनल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य कुलवन्त सिंह सलूजा ने बताया है कि अधोसंरचना विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अनेक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, जिसमें बिलासपुर-झारसुगुड़ा के बीच चौथी रेलवे लाइन परियोजना महत्वपूर्ण परियोजना है। बिलासपुर झारसुगुड़ा एक व्यस्त रेल मार्ग है, जो इस पूरे क्षेत्र को उत्तर एवं दक्षिण भारत से जोड़ती है। इस मार्ग पर परिचालन को और भी सुचारू बनाने के लिए चौथी रेल लाइन का निर्माण किया जा रहा है। इससे क्षमता आवर्धन के साथ-साथ इस मार्ग पर ट्रेनों की समय बद्धता में भी वृद्धि होगी। बिलासपुर से झारसुगुड़ा के बीच निर्माणाधीन 206 किलोमीटर चौथी रेल लाइन में से अब तक 150 किलोमीटर से अधिक का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। इसके अंतर्गत बिलासपुर-झारसुगुड़ा सेक्शन के रायगढ़ रेलवे स्टेशन को चौथी लाइन से जोड़ने के लिए नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाएगा। रायगढ़ रेलवे स्टेशन को चौथी रेललाइन में जोड़ने का यह कार्य 31 अगस्त से 15 सितंबर तक विभिन्न तिथियो में किया जायेगा। इस कार्य के दौरान अतिआवश्यक होने पर ही गाड़ियों का परिचालन प्रभावित हो एवं रेल यात्रियो को कम से कम असुविधा का सामना करना पड़े इसका भी ध्यान रखा गया है। रेल विकास से संबंधित इस महत्त्वपूर्ण कार्य के लिए कुछ ट्रेनों का परिचालन अल्पकालिक बाधित रहेगा एवं इस कार्य के पूर्ण होते ही गाडियों की समयबद्धता एवं गति में तेजी आयेगी।

इस कार्य के लिए 30 अगस्त से 2 सितंबर तक टाटानगर से चलने वाली 18113 टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस 31 अगस्त से 03 सितंबर तक, बिलासपुर से चलने वाली 18114 बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस, 03 सितंबर को टाटानगर से चलने वाली 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस, 03 सितंबर को इतवारी से चलने वाली 18110 इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस, 30 अगस्त को पुणे से चलने वाली 20822 सांतरागाछी-पुणे एक्सप्रेस, 01 सितंबर को पुणे से चलने वाली 20821 पुणे-सांतरागाछी एक्सप्रेस, 31 अगस्त को कामाख्या से चलने वाली 22512 कामाख्या-कुर्ला एक्सप्रेस, 02 सितंबर को कुर्ला से चलने वाली 22511 कुर्ला-कामाख्या एक्सप्रेस, 29 अगस्त एवं 1 सितंबर को हटिया से चलने वाली 22846 हटिया-पुणे एक्सप्रेस, 31 अगस्त एवं 03 सितंबर को पुणे से चलने वाली 22845 पुणे-हटिया एक्सप्रेस, 27 अगस्त को पूरी से चलने वाली 20813 पूरी-जोधपुर एक्सप्रेस, 30 अगस्त को जोधपुर से चलने वाली 20814 जोधपुर-पूरी एक्सप्रेस, 30 अगस्त को उदयपुर से चलने वाली 20971 उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस, 31 अगस्त को शालीमार से चलने वाली 20972 शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस, 30 अगस्त को मालदा से चलने वाली 13425 मालदा- सूरत एक्सप्रेस, 01 सितंबर को सूरत से चलने वाली 13426 सूरत-मालदा एक्सप्रेस, 27 एवं 28 अगस्त को

पोरबंदर से चलने वाली 12905 पोरबंदर-शालीमार एक्सप्रेस, 29 एवं 30 अगस्त को शालीमार से चलने वाली 12906 शालीमार-पोरबंदर एक्सप्रेस, 29 अगस्त को वास्को-द-गामा से चलने वाली 17321 वास्को-द-गामा-जसीडीह एक्सप्रेस, 01 सितंबर को जसीडीह से चलने वाली 17322 जसीडीह-वास्को-द-गामा एक्सप्रेस, 29 अगस्त को बिलासपुर से चलने वाली 22843 बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस, 31 अगस्त को पटना से चलने वाली 22844 पटना- बिलासपुर एक्सप्रेस, 02 सितंबर को हावड़ा से चलने वाली 12262 हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस, 03 सितंबर को मुंबई से चलने वाली 12261मुंबई-हावड़ा एक्सप्रेस रद्द रहेगी, 29 अगस्त को कुर्ला से चलने वाली 12101 कुर्ला-शालीमार एक्सप्रेस व 31 अगस्त को शालीमार से रवाना होने वाली 12102 शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

पैसेंजर ट्रेनों में 31 अगस्त से 15 सितंबर तक रायगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 68737 रायगढ़-बिलासपुर मेमू, 31 अगस्त से 15 सितंबर तक बिलासपुर से चलने वाली 68738 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू, 31 अगस्त से 15 सितंबर तक रायगढ़ से रवाना होने वाली गाडी संख्या 68735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू, 30 अगस्त से 14 सितंबर तक बिलासपुर से चलने वाली 68736 बिलासपुर-रायगढ़ मेमू रद्द रहेंगी। उन्होंने आगे बताया है कि

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें 30 अगस्त को हावड़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12222 हावड़ा-पुणे दुरन्तो एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग झारसुगुड़ा, टिटलागढ़, लाखोली, रायपुर होकर चलेगी। वहीं 01 सितंबर को पुणे से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12221 पुणे-हावड़ा दुरन्तो एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रायपुर, लाखोली, टिटलागढ़, झारसुगुड़ा होकर चलेगी। 29 अगस्त एवं 01 सितंबर को हावड़ा से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12262 हावड़ा-मुंबई दुरन्तो एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग झारसुगुड़ा, टिटलागढ़, लाखोली, रायपुर होकर चलेगी। 31 अगस्त एवं 02 सितंबर को मुंबई से रवाना होने वाली गाडी संख्या 12261 मुंबई-हावड़ा दुरन्तो एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रायपुर, लाखोली, टिटलागढ़, झारसुगुड़ा होकर चलेगी। 30 अगस्त एवं 01 सितंबर को कुर्ला से चलने वाली 12101 कुर्ला-शालीमार एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग रायपुर, लाखोली, टिटलागढ़, झारसुगुड़ा, 01 एवं 03 सितंबर को शालीमार से रवाना होने वाली 12102 शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग झारसुगुड़ा, टिटलागढ़, लाखोली, रायपुर होकर चलेगी।

बीच में समाप्त होने वाली गाडियों में 31 अगस्त से 15 सितंबर तक गोंदिया एवं झारसुगुडा से चलने वाली 68861/68862 गोंदियाङ्कझारसुगुडा- गोंदिया पैसेंजर बिलासपुर-झारसुगुडा-बिलासपुर के बीच रद्द रहेगी। वही 30 अगस्त, 01, 02, 03, 04, 06, 08, 09, 10, 11 एवं 13 सितंबर 2025 को निज़ामुद्दीन से चलने वाली 12410 निज़ामुद्दीन-रायगढ़ गोडवाना एक्सप्रेस बिलासपुर में ही समाप्त होगी यह गाड़ी बिलासपुर एवं रायगढ़ के बीच रद्द रहेगी, 01, 03, 04, 05, 06, 08, 10, 11, 12, 13 एवं 15 सितंबर को रायगढ़ से चलने वाली 12409 रायगढ़-निज़ामुद्दीन गोडवाना एक्सप्रेस रायगढ़ के स्थान पर यह गाड़ी बिलासपुर से ही निज़ामुद्दीन के लिए रवाना होगी. यह गाड़ी बिलासपुर एवं रायगढ़ के बीच रद्द रहेगी, 31 अगस्त एवं 01, 02, 03, 04, 05, 07, 08, 09, 10, 11, 12, 14 एवं 15 सितंबर, 2025 को गोंदिया से चलने वाली 12070 गोंदिया-रायगढ़ जनशताब्दी एक्सप्रेस बिलासपुर में ही समाप्त होगी यह गाड़ी बिलासपुर एवं रायगढ़ के बीच रद्द रहेगी, 01, 02, 03, 04, 05, 06, 08, 09, 10, 11, 12, 13, 15 एवं 16 सितंबर को रायगढ़ से चलने वाली 12069 रायगढ़-गोंदिया जनशताब्दी एक्सप्रेस रायगढ़ के स्थान पर यह गाड़ी बिलासपुर से ही गोंदिया के लिए रवाना होगी। यह गाड़ी बिलासपुर एवं रायगढ़ के बीच रद्द रहेगी।

लालपुर शराब दुकान में मिली मिलावटी शराब जिम्मेदारों पर कार्यवाही अब तक क्यों नहीं

मूक पत्रिका/ रायपुर - लालपुर शराब दुकान में मिलावटी शराब मामले में दो महीने बाद भी कार्यवाही नहीं होने पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि लालपुर के शराब दुकान में 29 मई 2025 को 34 पेटी बिना होलोग्राम के गोवा स्पेशल मदिरा पकड़ी गई थी जांच के दौरान शराब मिलावटी पाई गई और 15 लाख रुपए से अधिक की गड़बड़ी पकड़ी गई थी। मिलावटी शराब मामला को 2 महीना से अधिक हो गया है लेकिन अभी तक जिम्मेदारों पर कार्यवाही नहीं की गई है लालपुर शराब दुकान की संचालन की जिम्मेदारी मेसर्स बॉम्बे इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी लिमिटेड के ऊपर में है उन्हीं के सुपरवाइजर और सेल्समेन को गिरफ्तार किया गया है लेकिन अभी तक जिम्मेदार कंपनी को ब्लैक लिस्टेड क्यों नहीं किया गया?शराब दुकान के निरीक्षण की जिम्मेदारी जिस आबकारी अधिकारी के ऊपर है उस पर कार्यवाही क्यों नहीं की गई? इसे समझ में आता है की दाल में कुछ काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद शराब तस्करी नकली शराब बिना होलोग्राम के शराब दूसरे राज्यों के शराब पकड़े जा रहे हैं सरकारी दुकानों में भी मिलावटी शराब, ओवर रेट में शराब मिल रहा है उसके बावजूद उसे पर कार्यवाही नहीं हो रही है क्योंकि शराब के काला पीला में भाजपा के बड़े नेताओं की भूमिका है राजनांदगांव में सरकारी शराब दुकान से प्रति पेटी कमीशन देकर कोचिया गांव गांव बेच रहे हैं रायपुर में ब्रांडेड कंपनियों के शराब पकड़े गए थे पूरी तरीका से प्रदेश में शराब का गोरख धंधा चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि लालपुर में मिलावटी शराब बेचने के लिए जिम्मेदार एम एस बॉम्बे इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी लिमिटेड को ब्लैकलिस्टेड किया जाए आबकारी अधिकारी पर कार्यवाही हो और अवैध शराब और सरकारी शराब दुकान से हो रही कोचियांगिरी पर कड़ाई से रोक लगाई जाए।

हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा जनहानि, फसल हानि के प्रकरणों का संवेदनशीलता से करें निराकरण : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री साय ने वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के कार्यों की समीक्षा की

मूक पत्रिका/ रायपुर - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति के प्रकरणों में त्वरित, नियमानुसार एवं संवेदनशीलता से क्षतिपूर्ति सहायता प्रदान की जाए। वनांचल में निवासरत लोगों को कई बार वन्यप्राणियों के हमलों से अपनों को खोने की पीड़ा सहनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में प्रभावितों के दुख-दर्द का मानवीय दृष्टिकोण से शीघ्र निराकरण किया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री साय बीते मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की

समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाथी-मानव द्वंद्व और अन्य हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति की घटनाएं राज्य के वनांचल क्षेत्रों में चुनौती बनकर उभर रही हैं। ऐसी स्थितियों में शासन की जिम्मेदारी है कि पीड़ितों को शीघ्र एवं न्यायसंगत सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित प्रकरणों का नियमानुसार त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जंगली हाथियों द्वारा धान जैसी प्रमुख फसल के अतिरिक्त गन्ना, केला, पपीता एवं कटहल जैसी नगदी फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया जाता है, जिससे किसानों को आर्थिक ही नहीं, मानसिक रूप से भी दोहरी मार झेलनी पड़ती है। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में प्रदत्त व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टों की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा प्रदत्त सहायता समय पर प्रभावितों तक पहुंचे, इसके लिए विभागीय समन्वय को और अधिक मजबूत किया जाए। जनहानि, स्थायी अपंगता, पशुहानि, मकान क्षति तथा फसल हानि के लिए दी जाने वाली क्षतिपूर्ति दरों में वृद्धि किए जाने का प्रस्ताव भी बैठक में प्रस्तुत किया गया।

बैठक में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल क्षति के आरबीसी के प्रावधानों के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि पर भी चर्चा की गई।

बैठक मे मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव (वन) श्रीमती ऋचा शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, कृषि विभाग की सचिव श्रीमती शहला निगार, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी सचिव अंकित आनंद, सचिव (वन) अमरनाथ प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) सुधीर अग्रवाल, अपर मुख्य वन संरक्षक प्रेम कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

मैं सेवती बाई साहू पिता स्व. कृपाराम साहू आयु 41 वर्ष, जाति तेली, निवासी कृष्णा मंदिर पारा, सिंघौरी वार्ड नं. 14 बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) की निवासी हूं जो कि शपथपूर्वक कथन करता हूं कि :-

1/ यह कि मेरा नाम पता उपर दर्शित अनुसार है ।

2/यह कि, मेरे पुत्र के नाम से जारी आधार कार्ड में डोमेन्द्र साहू (DOMENDRA SAHU) दर्ज है, जबकि उसके अंकसूची, जन्म प्रमाण पत्र, शासकीय / अर्द्धशासकीय/अशासकीय व अन्य समस्त दस्तावेजों में उसका नाम डेमेन्द्र साहू (DEMENDRA SAHU) दर्ज है जो उसका सही वास्तविक नाम है। जबकि उसके आधार कार्ड क्रमांक 4210 4168 6292 में डोमेन्द्र साहू (DOMENDRA SAHU) त्रुटिवश दर्ज हो गया है। मैं अब उसका नाम डेमेन्द्र साहू (DEMENDRA SAHU) पिता कृपाराम साहू रखना चाहती हूँ, जिसके खेलते उसके आधार कार्ड, शासकीय/अर्द्धशासकीय/अशासकीय / व अन्य समस्त दस्तवेजों में जहां कही भी उसका नाम डोमेन्द्र साहू (DOMENDRA SAHU) दर्ज है के स्थान पर संशोधन कर- डेमेन्द्र साहू (DEMENDRA SAHU) आ. कृपाराम साहू रखना चाहती हूं एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहती हूं।

3/ यह कि उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ-पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है ।

शपथकर्ता
सेवती बाई

नाम परिवर्तन

मैं बसंत विश्वकर्मा पिता बिसौहा विश्वकर्मा आयु 69 वर्ष, जाति लोहार, निवासी ग्राम पचभैया, पो. दाढ़ी, तहसील दाढ़ी, जिला बेमेतरा (छ.ग.) का निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं :-

1/ यह कि, मैं उपरोक्त नाम व पते का निवासी हूं ।

2/यह कि, मेरे नाम से जारी आधार कार्ड में मेरा संतराम विशवकर्मा (SANTRAM VISHWAKARMA) दर्ज है, जबकि मेरे, परिचय पत्र, भूमि संबंधी दस्तावेज बी-1 ऋण पुस्तिका शासकीय / अर्द्धशासकीय/अशासकीय एवं अन्य समस्त दस्तावेजों मेरा नाम बसंत विश्वकर्मा (BASANT VISHWAKARMA) पिता बिसौहा विश्वकर्मा दर्ज है, जो कि मेरा सही वास्तविक नाम है। जबकि मेरे आधार कार्ड क्रमांक 9028 3251 5232 में मेरा नाम संतराम विशवकर्मा (SANTRAM VISHWAKARMA) त्रुटिवश दर्ज हो गया है। मैं अब अपना नाम बसंत विश्वकर्मा (BASANT VISHWAKARMA) पिता बिसौहा विश्वकर्मा रखना चाहता हूं, और इसी नाम से जाना व पहचाना जाना चाहता हूं,

तथा नाम में एकरूपता लाने हेतु अब मैं अपना नाम बसंत विश्वकर्मा (BASANT VISHWAKARMA) पिता बिसौहा विश्वकर्मा रखना चाहता हूं, जिसके चलते मेरे आधार कार्ड शासकीय / अर्द्धशासकीय/अशासकीय व समस्त दस्तावेजों में जहाँ कहीं भी मेरा नाम नाम संतराम विशवकर्मा (SANTRAM VISHWAKARMA) दर्ज के स्थान पर संशोधन कर बसंत विश्वकर्मा (BASANT VISHWAKARMA) पिता बिसौहा विश्वकर्मा दर्ज कराना चाहता हूं एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहता हूं।

3/ यह कि, उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ-पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है ।

शपथकर्ता
बसंत विश्वकर्मा

नाम परिवर्तन

मैं धनऊ साहू पिता हीरावन साहू आयु 29 वर्ष, जाति तेली, निवासी ग्राम ढोलिया, तिवारी पारा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) का निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं :-

1/ यह कि, मैं उपरोक्त नाम व पते का निवासी हूं ।

2/ यह कि, मेरे नाम से जारी आधार कार्ड में मेरा धन्ना साहू (DHANNA SAHU) दर्ज है, जबकि मेरे शैक्षणिक अभिलेख, परिचय पत्र, भूमि संबंधी दस्तावेज बी-1 ऋण पुस्तिका शासकीय / अर्द्धशासकीय / अशासकीय एवं अन्य समस्त दस्तावेजों मेरा नाम धनऊ साहू (DHANAU SAHU) पिता हीरावन साहू दर्ज है, जो कि मेरा सही वास्तविक नाम है। जबकि मेरे आधार कार्ड क्रमांक 9820 8820 2980 में मेरा नाम धन्ना साहू (DHANNA SAHU) त्रुटिवश दर्ज हो गया है। मैं अब अपना नाम धनऊ साहू (DHANAU SAHU) पिता हीरावन साहू रखना चाहता हूं, और इसी नाम से जाना व पहचाना जाना चाहता हूं,

तथा नाम में एकरूपता लाने हेतु अब मैं अपना नाम धनऊ साहू (DHANAU SAHU) पिता हीरावन साहू रखना चाहता हूं, जिसके चलते मेरे आधार कार्ड शासकीय / अर्द्धशासकीय/ अशासकीय व समस्त दस्तावेजों में जहाँ कहीं भी मेरा नाम नाम धन्ना साहू दर्ज के स्थान पर संशोधन कर- धनऊ साहू (DHANAU SAHU) पिता हीरावन साहू दर्ज कराना चाहता हूं एवं उक्त नाम परिवर्तन की सूचना राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहता हूं ।

3/ यह कि, उक्त कथन के समर्थन में यह शपथ-पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है ।

शपथकर्ता
धनऊ साहू

नाम परिवर्तन

मै श्री पनकु राम बेरता पिता स्व लच्छु जाति - मुरिया उम्र 47 वर्ष पता तहसील पारा बीजापुर जिला - बीजापुर (छ.ग.) का निवासी हॅ! इस शपथ पत्र के द्वारा निम्नलिखित सत्य कथन करता हुँ। कि :-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है।तथा मेरा आधार कार्ड नं 360902317619 मे अंकित है ।

2. यह कि मेरी पुत्री का नाम सानिया बेरता है। जो कि मेरे पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र रजिस्ट्रार जन्म / मृत्यु मुख्यनगरपालिका अधिकारी बीजापुर से पंजीकरण संख्या 357 पंजीकरण दिनॉक 10/06/2015 को प्राप्त हुआ है जिसमे अंकित है। जो सत्य व सही है।

3. यह कि त्रुटिवश मेरे पुत्री के आधार कार्ड नं. 797285356186 मे नाम सोनिया बेरता अंकित हो गया है। जो गलत है।

4. यह कि उक्त जन्म प्रमाण पत्र मे अंकित नाम सानिया बेरता तथा आधार कार्ड नं 797285356186 मे अंकित नाम सोनिया बेरता दोनो नाम मेरी पुत्री का ही नाम है किसी अन्य का नाम नही है7

5. यह कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड में अंकित नाम सोनिया बेरता के स्थान पर सही व पूरा नाम सानिया बेरता सुधार करने के समर्थन में यह शपथपत्र बनाया गया है।

शपथकर्ता
पनकु राम बेरता

मोनाली ठाकुर ने खोला राज, बताया 'एक बार फिर' में झलकेंगी उनकी कठिनाइयों की असली कहानी

मूक पत्रिका/जित मुंबई : - नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी सिंगर मोनाली ठाकुर को इंडियन म्यूजिक इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत और मधुर आवाज़ों में गिना जाता है। सालों में उन्होंने कई हिट गाने दिए हैं, जो आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं। अब मोनाली अपना नया गाना एक बार फिर रिलीज़ करने जा रही हैं, ये एक इमोशनल और दिल को छू लेने वाला ट्रैक, जो उनके लिए बेहद पर्सनल मायने रखता है।

उन्होंने बताया कि यह गाना उनकी अपनी लाइफजर्नी से प्रेरित है — जिसमें उन सालों का ज़िक्र है जब उन्होंने चुपचाप संघर्ष किया और मां-बेटी के रिश्ते की गहराई को महसूस किया। बीते वक्त को याद करते हुए मोनाली ने माना कि पिछले कुछ साल उनके लिए बेहद मुश्किल रहे, लेकिन इन सबके बीच उन्होंने उम्मीद पाना नहीं छोड़ा।

मोनाली ने कहा, यह गाना मेरे लिए बेहद निजी है, क्योंकि यह मेरी पिछले कुछ सालों की यात्रा से जुड़ा है। बहुत कम लोग जानते

हैं कि वे साल कितने मुश्किल थे। लेकिन उन हालात से निकलकर मैंने एक बड़ी चीज़ खोजी — उम्मीद। वही उम्मीद मेरी ताकत बनी, मेरा सहारा बनी, और आखिरकार इस गाने का दिल बन गई। क्योंकि मेरा मानना है कि उम्मीद हमारे पास सबसे ताकतवर हथियार है।

मोनाली ठाकुर ने हाल ही में 'एक बार फिर' का पोस्टर जारी किया, जिसमें दो हाथों की एक दिल छू लेने वाली तस्वीर है, जो कि उनका और उनकी मां का है। इसे उन्होंने मेरे दिल का एक टुकड़ कहा। साथ ही उन्होंने अपनी मां के साथ बचपन की एक फोटो भी साझा की, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह गाना प्यार, हिम्मत और परिवार के गहरे रिश्ते जैसे विषयों को खूबसूरती से पेश करेगा।

'मोह मोह के धागे' और 'सवार लूं' जैसे सदाबहार गीतों की मधुर आवाज़ मोनाली ठाकुर इन दिनों लगातार टूर पर हैं और साथ ही अपने दिल के बेहद करीब नए गाने 'एक बार फिर' की तैयारी में भी जुटी हैं। आज 6 अगस्त 2025 को रिलीज़ होने वाला यह गीत मोनाली के नाज़ुक और संवेदनशील पहलू को सामने लाएगा, जिसमें उम्मीद, सुकून और सच्ची भावनाओं से जुड़ी चुपचाप पाई जाने वाली हिम्मत जैसे खूबसूरत विषयों का जश्न मनाया जाएगा।

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल में हुआ बैच गिविंग सेरेमनी, बच्चों ने संभाली लीडरशिप की जिम्मेदारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल बेमेतरा में बीते बालसभा के माध्यम से बैच गिविंग सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका सभापति एवं खाद्य नागरिक आपूर्ति जनकल्याण विभाग के प्रतिनिधि तथा वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद विकास तंबोली रहे। साथ में वार्ड 21 के पार्षद लक्की साहू एवं वरिष्ठ समाजसेवी रविन्द्र तंबोली विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अनामिका मैडम द्वारा अतिथियों से माता सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं प्रार्थना कराकर की गई। इसके पश्चात अतिथियों का सम्मान कर बच्चों को बैच पहनाकर उन्हें उनके नवनिर्वाचित दायित्व सौंपे गए।

इस अवसर पर कु. वन्या तंबोली को विद्यालय प्रेसिडेंट और जीत साहू को वाइस प्रेसिडेंट घोषित किया गया। साथ ही कक्षा पहली से पाँचवीं तक के सभी कक्षाओं के कक्षा प्रतिनिधि (सीआर) का चयन कर उन्हें नेमप्लेट बैच पहनाया गया।

मुख्य अतिथि विकास तंबोली ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि ङ्क ÷नेतृत्व का बीज बचपन से ही बोना चाहिए। जब छात्र अपने कक्षा और स्कूल के प्रतिनिधि बनते हैं तो वे अनुशासन, समर्पण और नेतृत्व की कला को सीखते हैं, जो जीवनभर काम आता है।÷ उन्होंने बच्चों को नियमित पढ़ाई, व्यायाम, योग, स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि ङ्क ÷एक पेड़ अपनी माँ के नाम पर लगाना एक पवित्र कार्य है।÷

पार्षद लक्की साहू ने नवचयनित बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए सभी छात्रों को अनुशासन में रहकर अपने कर्तव्यों को निभाने की प्रेरणा दी। वहीं विशेष अतिथि रविन्द्र तंबोली ने बच्चों को लीडरशिप के महत्व को समझाते हुए पढ़ाई, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अनामिका मैडम ने स्कूल की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी और बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया।

यह कार्यक्रम बच्चों के नेतृत्व विकास और सामाजिक जिम्मेदारी की दिशा में एक सराहनीय प्रयास साबित हुआ।

आकर्षण का केंद्र बन धान से निर्मित राखी

देवरी सारागांव के चूड़ामणि और उनकी पत्नी ने की धान और चावल से राखी बनाने की शुरुआत

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

जांजगीर चांपा जिले में सारागांव के देवरी में किसान परिवार से आने वाले चूड़ामणि एवं उनकी पत्नी के साथ समिति की माता बहने ने धान और चावल द्वारा राखी बनाई है जो लोगों को खूब भा रही है। वही इनके द्वारा निर्मित राखी बहनों के बीच में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। माता बहने हाथों हाथ धान से बनी राखियां खरीद कर ले जा रही है। वही धान और चावल का प्रयोग कर रखी का निर्माण करने वाले देवरी के चूड़ामणि सूर्यवंशी और उनकी पत्नी सरस्वती की अलग पहचान बनी हुई है। उनका कहना है कि यहां बनी राखियां जिले एवं प्रदेश के साथ आस पास के लोगों की पसंद बनी हुई है तो वही अपने घर से यह कार्य संचालित कर रहे है तो और समिति की कुछ महिलाएं इस कला को सीखने के लिए उनके घर आते है और लगन के साथ चुण्डमणि अपनी इस कला को आए हुए सभी लोगों को सीखा भी रहे है। इस वर्ष उनके द्वारा बनाई गई धान की राखियां बिक्री के लिए बाजार में उपलब्ध है तो वही जानकार लोग उनके घर पहुंच कर राखियां खरीद कर ले जा रहे है । आपको बता दे कि रक्षाबंधन के अवसर पर धान से रखी बनाने वाले चूड़ामणि सूर्यवंशी पहले से पैरा आर्ट से अपनी पहचान देश भर में बना चुके है और जांजगीर चांपा जिले में संचालित छत्तीसगढ़ हस्त कला विकास बोर्ड से पंजीकृत मास्टर ट्रेनर के पद पर नियुक्त किए गए है और अपनी कला से अपनी अलग पहचान बनाने की उपलब्धि हासिल की है। आगे उन्होंने बताया कि शासन द्वारा समय समय पर ट्रेनिंग के लिए मुझे जगह जगह भेजा जाता है परंतु यहां जगह के अभाव की वजह से इस कला में निखर नहीं आ पा रहा है उनका शासन का आग्रह है कि अगर शासन इस कला के लिए विशेष ध्यान दे और एक जगह निर्धारित कर दे तो इस कला को और सम्मान मिलेगा।

खनिज विभाग द्वारा अवैध रेत उत्खनन, परिवहन पर की गई कार्यवाही

- 03 जेसीबी एवं 01 हाईवा जब्त

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल खनिज विभाग के द्वारा जिले के ग्राम भादा, नवापारा, केवा तथा बम्हनीडीह क्षेत्र में खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण करने वाले वाहनो, स्थानो का औचक निरीक्षण किया गया।

खनि अधिकारी अनिल कुमार साहू ने बताया कि ग्राम नवापारा स्थित हसदेव नदी से 03 जेसीबी द्वारा खनिज रेत का उत्खनन करते पाये जाने पर अवैध उत्खनन का प्रकरण दर्ज कर जप्त कर कलेक्टोरेट परिसर जॉजगीर में रखा गया है। इसके अतिरिक्त 01 हाईवा को खनिज रेत की परिवहन अनुमति क्षमता से अधिक खनिज रेत मात्रा का परिवहन किये जाने पर जप्त किया गया है। उक्त वाहनो/वाहन मालिको के विरूद्ध खनिज नियमों के तहत कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन,भण्डारण पर प्रभावी नियंतत्रण हेतु जिला स्तरीय उडनदस्ता दल द्वारा समय-समय पर आकस्मिक जॉच किया जाकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन,भण्डारण करने वालो के विरूद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

अकलतरा पुलिस ने एक रेड कार्यवाही में 6 लोगों को गांजा पीते हुए और सुलेशन सूंघते हुए पकड़ा

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

मामले में आरोपियों के पास से गांजा पीने का चिलम, गांजा का पुड़िया, बीड़ी और सुलेशन बरामद किया गया। आरोपियों के खिलाफ धारा 27 ह्रष्ठक्क्र एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। थाना अकलतरा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 सब्जी मंडी के पीछे कुछ लोगों के द्वारा गांजा एवं सुलेशन पीकर बैठे रहते हैं एवं आने जाने वालों को गाली-गलौज कर करते हैं, जिसको मना करने पर गाली गलौच करते है की सूचना पर निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी अकलतरा द्वारा जाकर रेड कार्यवाही किया जिसमें मौके पर 6 लोगों को गांजा पीते हुए सुलेशन सूंघते हुए पकड़ा जाकर विधिवत ह्रष्ठक्क्र एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

गिरफ्तार आरोपियों का नाम- 01. किशन पाण्डेय उम्र 20 वर्ष निवासी फिरंगीपारा वार्ड न 05 करगीरोड बिलासपुर। 02. निखिल गरुड उम्र 19 वर्ष निवासी जैतखाम अकलतरा। 03. रूपेश चौहान उम्र 21 वर्ष सा. वार्ड न.14 अकलतरा। 04. धर्मेन्द्र यादव उम्र 20 वर्ष वार्ड न 14 अकलतरा। 05. सुनील सारथी उम्र 22 वर्ष वार्ड न. 04 अकलतरा। 06. टीकाराम टण्डन उम्र 70 वर्ष सा. वार्ड न. 13 अकलतरा।

"बने खाबो, बने रहिबो": खाद्य सामाग्रियों का नमूना जांच हेतु भेजा गया रायपुर

मूक पत्रिका/ मुंगेली – शासन के निर्देशानुसार नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ''बने खाबो, बने रहिबो'' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले के फूड एवं मिठाई दुकानों, रेस्टोरेंट्स और किराना दुकानों में खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता की जाँच की जा रही है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा अधिकारी पुष्पा खाखा द्वारा जिला मुख्यालय स्थित आनंद चाट भंडार आलू चाट, वैष्णव रेस्टोरेंट से सांभर, अमीर-गरीब हॉटल से पेड़ा एवं बादाम बर्फी, देवांगन हॉटल से लूज मगज लड्डू व बेसन लड्डू का नमूना संकलित किया गया। इसी तरह नगर पंचायत पथरिया में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजीत बघेल द्वारा गुलाब स्वीट्स अमोरा से मोतीचूर लड्डू, नरेन्द्र डेली नीड्स अमोरा से काजू डायमंड बर्फी एवं मसूर पाक, दक्ष डेली नीड्स कुकुसदा से लाल रसगुल्ला और जय श्याम किराना कुकुसदा से नारियल लड्डू व बी.बी.आर. स्वीट्स का नमूना संकलित कर जांच हेतु कालीबाड़ी रायपुर स्थित राज्य प्रयोगशाला भेजा गया।

जनदर्शनः दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) को मिला पंजीयन प्रमाण पत्र

- आसपास के गॉवों के किसान बेच सकेंगे दुग्ध, समय और पैसे की होगी बचत

मूक पत्रिका/ मुंगेली – दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) विकासखण्ड मुंगेली का पंजीयन उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने समिति के अध्यक्ष रिषिराज सिंह और उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र साहू को दुग्ध पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदान किया। दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) का पंजीयन हो जाने से आसपास के 05 से 08 गॉवों के दुग्ध उत्पादक किसान उक्त समिति में ही वास्तविक मूल्य पर दुग्ध बेच सकेंगे, इससे किसानों के शहर आने-जाने में लगने वाले समय की बचत होगी। साथ ही आवागमन में होने वाला खर्च भी बचेगा।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर. एम. त्रिपाठी ने बताया कि पशुपालकों के आय में वृद्धि हेतु शासन की फ्लैगशीप योजना ''सहकार से समृद्धि'' के तहत समस्त ग्राम पंचायतों में सहकारी समिति का गठन किया जाएगा। अभी तक 07 दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है। इससे गॉव के किसानों को बेहतर सुविधा प्राप्त होगी।

बिजली बिल हाफयोजना बंद किये जाने के विरोध में कांग्रेस 7 अगस्त को करेगी विरोध प्रदर्शन

- 6 अगस्त को सभी जिलों में प्रेस कांफ्रेंस सरकार को बेनकाब करेंगे
- बिजली बिल हाफ योजना को बंद करना अन्यायपूर्ण कदम – दीपक बैज

मूक पत्रिका/रायपुर – बिजली बिल हाफ योजना बंद करने के विरोध में तथा आम जनता को न्याय दिलाने व हाफ बिजली योजना के तहत 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना वापस फिर से शुरू किये जाने की मांग को लेकर कांग्रेस पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन करने जा रही है। 6 अगस्त को जिला मुख्यालयों में पत्रकार वार्ता एवं 7 अगस्त को जिला मुख्यालय स्थित बिजली ऑफिस के समक्ष विरोध प्रदर्शन एवं पुतला दहन किया जायेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य भाजपा सरकार द्वारा हाफ बिजली बिल योजना के तहत 400 यूनिट की सीमा को समाप्त कर आम जनता के ऊपर अत्याचार कर रही है। बिजली की दरों में हुई बेतहाशा वृद्धी और हाफ बिजली बिल योजना को समाप्त किये जाने से आमजनता को बिजली बिल के नाम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि साय सरकार ने मात्र 100 यूनिट के भीतर की खपत वाले का ही बिजली बिल हॉफ करने का निर्णय लिया है। इससे प्रदेश के अधिसंख्यक उपभोक्ता बिजली बिल हाफ योजना से वंचित हो गये है। वर्तमान निर्देश के अनुसार 100 यूनिट से अधिक खपत होने पर बिजली बिल पूरा लगेगा तथा 100 यूनिट का छूट भी नहीं मिलेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पिछले माह ही सरकार ने बिजली के दाम चौथी बार बढ़ाया था। घरेलू खपत पर 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है, गैर घरेलू बिजली की दर 25 पैसे यूनिट महंगी कर दी गई है। सर्वाधिक बढ़ोत्तरी कृषि पंप के बिजली के दाम में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि करके की गई थी। डेढ़ साल के भीतर साय सरकार ने घरेलू बिजली की दरों में अब तक कुल 80 पैसे प्रति यूनिट बढ़ोत्तरी की है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार के ऐसे अन्यायपूर्ण फैसले का विरोध करती है, कोयला हमारा, पानी हमारा, जमीन हमारी और हमें ही महंगे दर पर बिजली बेचा जा रहा है? सरकार के इस जन विरोधी निर्णय के खिलाफ कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी।

रक्षा बंधन पर जांजगीर चांपा पुलिस की अभिनव पहल, "एक हेलमेट भाई के नाम"

मूक पत्रिका/जांजगीर चांपा – जिले की सड़क दुर्घटनाओं के विश्लेषण पर यह पाया गया कि दुर्घटनाओं में लगभग 70त्न मौतें दोपहिया वाहन चालकों की होती है जिनमें से यदि उनके द्वारा हेलमेट का उपयोग किया जाता तो लगभग 35-40त्न लोगों का जीवन बचाया जा सकता था।

अतः जिले की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले मानव जीवन की संभावित क्षति के बचाव को दृष्टिगत रखते हुए ''ऑपरेशन उपहार'' के तहत आगामी 08 अगस्त को पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जिले के सभी थाना चौकियों क्षेत्र में निःशुल्क 1000 हेलमेट वितरण दोपहिया वाहन चालको को किया जाएगा*

इस ऑपरेशन का उद्देश्य परस्पर एक दूसरे को हेलमेट का उपहार देकर उसके जीवनभर की उपयोगी चीज़ को देना है.... जैसा कि किसी के जन्मदिन, विवाह, एनिवर्सरी, सामाजिक कार्यक्रम आदि अवसरो पर ऐसे उपहार दिए जाए तो जन जागरुकता की दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम होगा.. परस्पर हेलमेट पहनने को प्रेरित कर यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक करना इस अभियान का उद्देश्य है..

जांजगीर-चांपा पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए, उचित बचाव के लिए *पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिले में विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले में ''आपरेशन उपहार'' का शुभारंभ किया किया है, जिसके तहत *अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार के नेतृत्व में जांजगीर पुलिस द्वारा दिनांक 08.08.2025 को जिले के थाना चौकी क्षेत्रांतर्गत निःशुल्क हेलमेट बांटने का कार्यक्रम रखा गया है।

कार्यक्रम का उद्देश्यः- हेलमेट पहनकर मोटर सायकल चलाने के लिए जागरूक करना, सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम करना, यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देना, और लोगों को सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए प्रेरित करना।

वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न* करने और नाबालिग बच्चों को वाहन न देने की अपील। जान-माल की सुरक्षा पर बल। यातायात नियमों का पालन न करने से होने वाले जान-माल की हानि पर प्रकाश डालना, सुरक्षित वाहन चलाने की महत्ता को समझाना।

यातायात पुलिस की अपीलः हमेशा यातायात नियमों का पालन करें। वाहन के सभी दस्तावेज दुरुस्त रखें। बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के वाहन न चलाएं। नशे की स्थिति में वाहन चलाने से बचें। नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने से परहेज करें।

''आपरेशन उपहार'' के तहत जिले के विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता, संगठन, व्यापारीगण, व्यावसायिक व औद्योगिक संगठन एवं जन सहयोग से हेलमेट जांजगीर पुलिस को हेलमेट प्रदाय किया गया है। उक्त हेलमेट को पुलिस द्वारा दोपहिया चालकों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक करते हुए वितरण किया जा रहा है।

जनदर्शन : कलेक्टर ने सुनी आमजनों की मांगें एवं समस्याएं, नियमानुसार निराकरण के दिए निर्देश

- दिव्यांग उमाशंकर पात्रे को प्रदान किया ट्राईसाईकिल
- दृष्टिबाधित दिव्यांग गगन को पढ़ाई के लिए मिलेगा लैपटॉप

मुंगेली /मूक पत्रिका

जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिले के आमजनों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुनी और नियमानुसार निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम गोरखपुर के दिव्यांग उमाशंकर पात्रे ने ट्राईसाईकिल की मांग की। उन्होंने बताया कि दिव्यांगता के कारण चलने-फिरने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। कलेक्टर ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल ट्राईसाईकिल प्रदान किया। इससे उमाशंकर के चेहरे में मुस्कान लौट आई। इसी तरह पथरिया विकासखण्ड के ग्राम बदरा (ब.) के दृष्टिबाधित दिव्यांग गगन कुर्रे ने बताया कि उन्होंने कक्षा 12वीं 76 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है तथा आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं। दृष्टिबाधित होने के कारण वे पेन से नहीं लिख सकते, असाइमेंट, प्रोजेक्ट वर्क और अन्य शैक्षणिक कार्यों को टायपिंग के माध्यम से करते हैं, उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं है, उन्होंने आगे की पढ़ाई के लिए लैपटॉप की मांग की। कलेक्टर ने गगन की शैक्षणिक, आर्थिक स्थिति पर गंभीरता से विचार करते हुए लैपटॉप सहित अन्य सुविधाओं के लिए सहमति जताई। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर मेनका प्रधान, मुंगेली एसडीएम पार्वती पटेल सहित सबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

154 आवेदन प्राप्त हुए- जनदर्शन में आमजनों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 154 आवेदन प्रस्तुत किए, इनमें गौ सेवा कल्याण समिति के अध्यक्ष ने दुर्घटनाग्रस्त गायों को चिकित्सालय लेने जाने के लिए एम्बुलेंस प्रदान करने, ग्राम बांकी के ग्रामीणों ने सड़क की मरम्मत कराने, भालूखोंदरा की शशीबाई ने दिव्यांग पेंशन दिलाने, ग्राम ढोठमा के ग्रामीणों ने शासनकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, ग्राम घुठेली के शिवप्रसाद ने प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत किस्त की राशि दिलाने, ग्राम देवरी के संतोष कुमार ने पैतृक भूमि का आपसी बंटवारा कराने, ग्राम उमरिया के भागबली ने अपनी पुत्रियों की जाति प्रमाण पत्र बनवाने सहित अन्य आवेदकों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं के निराकरण की मांग की। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के नियमानुसार निराकरण के लिए आश्वस्त किया।

सपनों का घर बनाने का हुनर सिखा रहा एसबीआई आरसेटी

नवागढ़ ब्लॉक के टेमरी गांव में चल रहा राजमिस्त्री प्रशिक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला बेमेतरा के नवागढ़ ब्लॉक स्थित राज्यपाल रमेन डेका के गोदग्राम टेमरी में 15 जुलाई से 13 अगस्त 2025 तक राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण एसबीआई आरसेटी बेमेतरा (रूरल सेल्फएम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट) के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के तहत प्रतिभागियों को राजमिस्त्री का व्यावसायिक कौशल सिखाने के साथ-साथ बैंकिंग ज्ञान और उद्यमिता विकास की भी जानकारी दी जा रही है, जिससे वे भविष्य में स्वरोजगार की ओर अग्रसर हो सकें।

आरसेटी की जिले में शुरुआत-नए जिले के गठन के पश्चात इस वित्तीय वर्ष से ग्रामीण विकास मंत्रालय की पहल पर एसबीआई आरसेटी बेमेतरा की शुरुआत की गई है। यह संस्थान फिलहाल सिमगा रोड स्थित ग्राम चोरभट्ठी के लाइवलीहुड कॉलेज परिसर में अस्थायी रूप से संचालित किया जा रहा है। यहां 18 से 45 वर्ष के बीच के बेरोजगार युवक-युवतियों को निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है।

70 से अधिक ट्रेड में प्रशिक्षण उपलब्ध-आरसेटी के तहत लगभग 70 अलग-अलग विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिनमें ब्यूटी पार्लर संचालन, महिला एवं पुरुष सिलाई, मोबाइल व मोटरसाइकिल रिपेयरिंग, एसी-फ्रिज मरम्मत, सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉलेशन, अगरबत्ती, मोमबत्ती, आचार, बड़ी-पापड़ निर्माण, मछली पालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन आदि प्रमुख हैं 7 इस संस्थान का उद्देश्य युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना तथा बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

पीएम आवास योजना में मिलेगा कुशल राजमिस्त्रियों का योगदान-जिला पंचायत के सहयोग से संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से गांव के युवाओं को निर्माण कार्य का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है। इससे वे भविष्य में प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में कुशल राजमिस्त्री के रूप में अपना योगदान दे सकेंगे। साथ ही यह पहल स्वाभिमान के साथ स्वावलंबन की ओर एक मजबूत कदम साबित होगी। इस प्रकार न केवल तकनीकी दक्षता बढ़ा रहा है, बल्कि गांवों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

टीबी के मरीजों को अतिरिक्त पोषण सहायता देने आगे आ रहे समाज सेवी संगठन

चार माह में दो सौ से अधिक मरीजों को बांटे फूड बास्केट

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी का उपचार ले रहे मरीजों को समाज के सक्षम वर्ग द्वारा निक्षय मित्र बन अतिरिक्त पोषण सहयोग प्रदान किया जाता है। इसी कड़ी में नगर के श्री भूतेश्वर नाथ मंदिर ट्रस्ट ,वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन और सहयोग संगठन समाज सेवी संस्थाओं ने निक्षय मित्र बन कर टीबी मरीजों को पोषण आहार वितरित किया है। समाज सेवी संगठनों द्वारा चार माह में 210 पोषण आहार के फूड बास्केट वितरित किया जा चुका है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश कुमार अवस्थी ने बताया कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत कोई भी सक्षम व्यक्ति जैसे जनप्रतिनिधि, व्यापारी, कर्मचारी, समाज सेवी संघ आदि टीबी के मरीजों को निक्षय मित्र बन के उन्हें अतिरिक्त पोषण सहयोग प्रदान करते हैं जिसमें मुख्यतः प्रोटीन पोषक तत्व पाए जाते हैं। मरीज को इस अतिरिक्त आहार से टीबी रोग से लड़ने में सहायता मिलती है। उन्होंने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में निक्षय मित्र बन इस नेक कार्य में सहयोग की अपील की है जिससे देश से टीबी रोग का उन्मूलन किया जा सके। गौरतलब है कि टीबी एक संक्रामक रोग है जो हवा के माध्यम से फैलता है। दो हफ्ते से अधिक खांसी, शाम को हल्का बुखार, पसीना आना ,छाती में दर्द, वजन में कमी ,भूख न लगना, बच्चों में वजन का न बढ़ना ये कुछ ऐसे लक्षण हैं जो टीबी होना प्रकट करते हैं। लक्षण होने पर नजदीक के अस्पताल में संपर्क करना चाहिए। मरीज 6 माह के डॉट्स के उपचार से पूरी तरह ठीक हो जाता है।

प्रधानमंत्री किसान निधि से मिली राहत, मानसिंह ने कहा- यह योजना वरदान है

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना बनी मददगार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से किसानों को कैसे आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता मिल रही है, इसका एक जीवंत उदाहरण हैं बेमेतरा जिले के ग्राम मंजगांव निवासी मानसिंह आनंद। मात्र 0.71 हेक्टेयर भूमि के मालिक मानसिंह ने इस योजना के अंतर्गत 10 जून 2019 को पंजीयन कराया था, जिसका पंजीयन क्रमांक ष्ट्त21997748 है। पंजीयन के पश्चात उन्हें लगातार 19 किस्तों की राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त हो चुकी है। चूंकि पंजीयन अन्य किसानों की तुलना में एक किस्त

बाद हुआ था, इसलिए उन्हें 19 किस्तें प्राप्त हुई, जबकि अन्य किसानों को 20 किस्तें प्राप्त हो चुकी हैं। मानसिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई यह योजना उनके जैसे सीमांत किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे कृषि कार्यों के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा में भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह सहायता समय पर मिलने से उन्हें उर्वरक, बीज, और अन्य कृषि संसाधनों की खरीदी में सहूलियत मिली है, जिससे खेती करना आसान और लाभदायक हुआ है। मानसिंह ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना किसानों के लिए एक आर्थिक सुरक्षा कवच की तरह है और इससे किसानों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरणा मिल रही है। यह कहानी न सिर्फ बेमेतरा बल्कि प्रदेश के सभी किसानों के लिए प्रेरणा है कि यदि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर और ईमानदारी से लिया जाए तो छोटी जोत वाले किसान भी आत्मनिर्भर और सफल हो सकते हैं।

सायबर सेल एवं थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही, अवैध मादक पदार्थ गांजा रख कर बिक्री करने वाला आरोपी बेमेतरा पुलिस के गिरफ्त में

अवैध मादक पदार्थ गांजा 01 किलो 536 ग्राम के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री में सहयोग करने वाला आरोपी भी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, श्रीमती संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने

वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी क्रम में 04 अगस्त 2025 को थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा स्टाफ को जरिये मुखबीर से सुचना मिला कि एक व्यक्ति वार्ड नं. 09 कोबिया बेमेतरा में अपने घर परछी सामने अवैध रूप से गांजा जैसे मादक पदार्थ बिक्री करने हेतु रखा है कि सूचना पर थाना बेमेतरा एवं सायबर सेल स्टाफ द्वारा सूचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया। आरोपी रोहित पटेल पिता स्व. शंकर पटेल उम्र 45 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 09 कोबिया बेमेतरा थाना व जिला बेमेतरा के कब्जे से मादक पदार्थ गांजा कुल वजनी 01 किलो 536 ग्राम, किमती 18,500/- रूपये एवं गांजा बिक्री व चेस-परचेस का रकम 600/-रूपया, कुल जुमला किमती 19,100/- रूपये को जप्त किया गया हैं। तथा प्रकरण में आरोपी रोहित पटेल से पुछताछ करने पर पता चला कि राजेश वर्मा निवासी वार्ड नं. 06 मोहभट्ठा के द्वारा मादक पदार्थ गांजा को लाकर देना। जिस पर प्रकरण में सहयोगी आरोपी राजेश वर्मा पिता स्व. शत्रुहन वर्मा उम्र 45 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 06 मोहभट्ठा थाना व जिला बेमेतरा को भी पकडा गया हैं जिसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा का 01 प्रकरण दर्ज कर 02 आरोपी के विरूद्ध 20 (ख) नारकोटिक एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत वैधानिक कार्यवाही किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा उप निरीक्षक मयंक मिश्रा, सउनि दीनानाथ सिन्हा, आरक्षक नुरेश वर्मा, संजय पाटिल, जय किशन साहू, रेखन साहू, कमलेश साहू, संतोष धीवर, देवेन्द्र साहू, रवि साहू, चुरावन पाल एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस कार्यवाही से यह स्पष्ट हो गया है कि मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों को अब बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रशासन ने समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। पुलिस का संदेशःअब नहीं बख्शे जाएंगे अपराधी।

प्रेशर IED ब्लास्ट में ग्रामीण घायल, दोनों हाथो में आई गंभीर चोट

बीजापुर /मूक पत्रिका

माओवादियों की एक और कायराना करतूत सामने आई है। बीते मंगलवार सुबह लगभग 8 बजे ग्राम गुंजेपर्ती के पास एक ग्रामीण प्रेशर ढ्ढश्वष्ठ विस्फोट की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी अनुसार प्रमोद ककेम पिता लक्ष्मैया ककेम (उम्र 24 वर्ष) निवासी ग्राम ईलमिड़ी अपने रिश्तेदार के घर गुंजेपर्ती गांव आया हुआ था। वह सुबह नहाने के लिए नाले की ओर गया था, जहां माओवादियों द्वारा पहले से लगाए गए प्रेशर आईईडी पर अचानक जोरदार विस्फोट हो गया।इस विस्फोट में प्रमोद ककेम के दोनों हाथों की हथेलियों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल को तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, उसूर

भेजा गया है, जहां उसका इलाज जारी है।जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे जंगल और संवेदनशील क्षेत्रों में आवागमन के दौरान अत्यधिक सतर्कता बरतें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु, गतिविधि या व्यक्ति दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या सुरक्षा बल कैम्प को सूचना दें, जिससे इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

छात्रावास वरिष्ठ अधीक्षिका श्रीमती आर. बारले हुई सेवानिवृत्त, छात्राओं एवं स्टाफने दी विदाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते रविवार 03 अगस्त 2025 को शासकीय पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास बेरला बिदाई समारोह आयोजित हुआ। जिसमें वरिष्ठ अधीक्षिका श्रीमती आर. बारले ने अपने सेवाकाल की पूर्णता 31 जुलाई 2025 के पश्चात गरिमामय विदाई के साथ सेवानिवृत्ति ग्रहण की । वे वर्ष 1989 से जिला बेमेतरा में छात्रावास अधीक्षिका के पद पर पदस्थ थीं और अपने सेवा काल में अनुशासन, स्नेह और समर्पण से छात्राओं के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डाला। सेवानिवृत्ति अवसर पर एक सादे किन्तु भावुक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास बेरला की नई

अधीक्षिका सुश्री मंजूषा धनगर को विधिवत रूप से कार्यभार सौंपा गया। इस अवसर पर प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास, बेरला के अधीक्षक डिकेंद्रकांत वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दोनों छात्रावास के समस्त कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं शामिल हुए। छात्राओं एवं छात्रों को स्मृति चिह्न स्वरूप पेन, कॉपी एवं स्वल्पाहार वितरित किया गया। यह आयोजन आपसी स्नेह, सौहार्द एवं प्रेरणा का प्रतीक बना। वरिष्ठ अधीक्षिका श्रीमती आर. बारले के प्रति छात्रावास परिवार ने आभार प्रकट करते हुए उनके स्वस्थ, सक्रिय एवं सुखद भविष्य की कामना की।

एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन पर बेमेतरा पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए सभी बैंको व एटीएम एवं बैंको के आस-पास की जा रही चेकिंग एवं लगातार पेट्रोलिंग

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को बैंको व एटीएम की सुरक्षा को दृष्टि गत रखते हुए चेकिंग एवं लगातार पेट्रोलिंग करने आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है। जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी श्रीमती संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में समस्त थाना/चौकी प्रभारियों एवं स्टाफ के द्वारा जिले के बैंको व एटीएम एवं बैंको के आस-पास लगातार चेकिंग एवं पेट्रोलिंग किया जा रहा है। जिसमें बैंक के अंदर प्रवेश करने वाले प्रत्येक

व्यक्तियों की जानकारी रखने, बैंके अंदर और बाहर लगे कैमरे चालू स्थिति में हो, बैंक का खुलने और बंद होने का निर्धारित समय हो, बैंक का सायरन चालू अवस्था में हो, बैंक अधिकारियों के पास निकटतम थाना /पुलिस कंट्रोल रूम/आपातकालीन नंबर मौजुद हो तथा बैंक पटल पर लिखे हो, बैंक में प्रवेश करने वाले व्यक्ति चेहरा ढककर/हेलमेट पहन कर अथवा स्कार्फ पहन कर न आये, इस पर विशेष ध्यान देने एवं आवश्यक रूप से बैंक के बाहर नोटिश बोर्ड चश्पा किया जाए। रात्रि में बैंक परिसर में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था हो।

तपती धूप में अनुज व 2000 कांवड़ियों ने शिव भक्ति में लीन आस्था और विश्वास की यात्रा पूरी किया

सोमनाथ मंदिर में विधायक अनुज व कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक

धरसींवां/मूक पत्रिका

बीते रविवार की सुबह धरसींवा भक्ति और आस्था के एक अद्भुत संगम का साक्षी बना। विधायक अनुज शर्मा के नेतृत्व में एक विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया, जिसने हजारों शिव भक्तों को एक साथ जोड़ा और पूरे क्षेत्र में भक्ति की एक नई लहर पैदा कर दी। यह आयोजन छत्तीसगढ़ गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत बनाए रखने और सामाजिक समरसता का संदेश देने का एक बेहतरीन उदाहरण बन गया। सुबह 8 बजे, शिव मंदिर चरौदा से शुरू हुई यह कांवड़ यात्रा किसी महाकुंभ से कम नहीं थी। विधायक अनुज शर्मा स्वयं कांवड़ लेकर, लगभग 2000 शिव भक्तों के

साथ सोमनाथ धाम के लिए रवाना हुए। इस यात्रा में महिलाओं की भी बड़ी संख्या देखने को मिली,अपनी कांवड़ें कंधे पर लिए ये सभी भक्तगण 'बोल बम व बम-बम भोले' के जयकारों के साथ पूरे उत्साह से आगे बढ़ रहे थे7 इस वर्ष की कांवर यात्रा एक नया अध्याय लिख रही है। जहाँ एक तरफ भीषण धूप गर्मी और पसीने से तर-बत्तर कर देने वाली उमस है. वहीं दूसरी तरफ आस्था की अविरल धारा बह रही है, जो हर कठिनाई को पार कर रही है। धरसींवा से सोमनाथ की कांवर यत्रा का मार्ग आस्था और संकल्प का संगम बन गया है। नंगे पैर किलोमीटर की दूरी तय करते कांवरियों के चेहरों पर न तो थकान है और न ही कोई शिकन रही7 यात्रा के दौरान रास्ते भर विशेष झाकियाँ और भजन-कीर्तन ने माहौल को और भी भक्तिमय बना दिया। विधायक अनुज शर्मा का जगह-जगह जोरदार स्वागत किया गया। स्थानीय लोगों ने फूल बरसाकर उनका और सभी कांवड़ियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ की धरती भक्ति, श्रद्धा और संस्कृति का अद्वितीय संगम है। कांवड़ यात्रा जैसे आयोजन व केवल हमारी परंपरा को सहेजते हैं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना और समाजिक समरसता का भी संदेश देते हैं। सावन महीने में यह कांवड़ यात्रा शिव भक्तों की आस्था, भक्ति और समर्पण का प्रतीक है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।